

दैनिक

मीडियाऑडिटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

सरकार ने बच्चों के पासपोर्ट से जुड़े नियम बदले

15 साल से छोटे बच्चों का पासपोर्ट 5 साल तक वैध, 18 के हुए तो रिन्यू होगा



नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने बच्चों के पासपोर्ट के नियमों में बदलाव किया है। 15 साल से कम उम्र के बच्चों का 36 पेज वाला सामान्य पासपोर्ट जारी होने की तारीख से अब 18 साल की उम्र या 5 साल तक वैध रहेगा। पहले पासपोर्ट वैधता की उम्र 15 साल थी। अगर बच्चा 5 साल पूरे होने से पहले 18 साल का हो जाता है, तो पासपोर्ट की वैधता उसी समय खत्म हो जाएगी। यानी 5 साल या 18 साल की उम्र में से जो पहले आएगा, वही वैधता की अंतिम सीमा होगी। विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट नियम संशोधन नियम, 2026 को 17 सितंबर को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया। इसके जरिए 1980 के पासपोर्ट नियमों में बदलाव किया गया है। 8 साल से कम उम्र के बच्चों और 60 साल से ज्यादा उम्र के सौनियर सिटीजन को नए पासपोर्ट आवेदन पर 10% की छूट मिलती रहेगी।

चिप की दुनिया में भारत की धमक

जापान-यूरोप की कंपनियां साथ, किए 16 समझौते; देश में तैयार होगी पूरी व्यवस्था



नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में सेमीकंडक्टर बनाने की तैयारी अब सिर्फ चिप कारखाने लगाने तक सीमित नहीं है। चिप बनाने के लिए जरूरी मशीन, रसायन, सामग्री, गैस और पैकेजिंग तकनीक भी देश में लाने की तैयारी है। सेमीकॉन 2.0 के पहले दिन दुनिया में भारत की धमक भी देखने को मिली।

कई भारतीय कंपनियों के साथ दुनिया के दिग्गज सेमीकंडक्टर कंपनियों ने समझौता किया। खासतौर पर टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने जापान, यूरोप, मलेशिया और सिंगापूर की कंपनियों के साथ 16 समझौते किए हैं।

चिप से पहले तैयार होगी पूरी व्यवस्था : भारत में इस समय चिप निर्माण की कई परियोजनाएं एक साथ आगे बढ़ रही हैं। गुजरात के धोलेरा में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पीएसएससी की करीब 91 हजार करोड़ रुपये की चिप फैक्टरी तैयार हो रही है।

दिल्ली एसआईआर पर 21 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर 21 सितंबर को सुनवाई करने पर सहमति जताई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई सोमवार को होगी, क्योंकि एसआईआर से जुड़े अन्य मामले भी अगले सप्ताह सूचीबद्ध हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दावा किया कि दिल्ली में करीब 47 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जिनमें से 33 लाख लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने नोटिस पाने वालों के नाम और नाम हटाने के आधार सार्वजनिक नहीं किए हैं।

उत्तराखंड में बर्फबारी, केदारनाथ में तापमान माइनस 2डिग्री

● म.प्र.के भोपाल-सीहोर में बारिश ● यूपी में आंधी चली, बिहार में बाढ़ से 50 लाख प्रभावित



नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली के हेमकुंड साहिब में बर्फबारी हुई। वहीं, केदारनाथ और रुद्रनाथ में भी ओलों के साथ हल्की बर्फबारी हुई। इससे पहाड़ी इलाकों में तापमान गिरने के साथ ठंड बढ़ गई है। केदारनाथ में आज सुबह तापमान माइनस 2एच रिकॉर्ड किया गया। मध्य प्रदेश में गुरुवार को भोपाल, सीहोर और देवास में तेज बारिश हुई। प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। सितंबर के आखिरी सप्ताह से मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 21 सितंबर तक राज्य में बारिश और आंधी का दौर जारी रहेगा।

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रुक-रुककर बारिश जारी है। कानपुर में करीब आधे घंटे तक 30 किमी प्रति घंटे की रफतार से तेज हवाएं चलीं। कई पेड़ टूटकर सड़कों पर गिर गए। इसके बाद भारी बारिश हुई। बरेली में भी धूलभरी आंधी चली। करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफतार से चली हवाओं से कई पेड़ उखड़ गए। बिहार में मौसम विभाग ने 13 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मौसम उमस भरा रहने की संभावना है। प्रदेश में बाढ़ से अब तक करीब 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

पाकिस्तान में नमाज के दौरान आत्मघाती हमला, 16 मौतें

आतंकी विस्फोटक से भरी गाड़ी लेकर टकराया, इस साल हमलों में 1000 से ज्यादा मौतें

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में शुक्रवार की नमाज के दौरान मस्जिद के पास धमाका हुआ। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में 5 पुलिसकर्मी और 11 आम नागरिक शामिल हैं।धमाका इतना जोरदार था कि मस्जिद के बाहर का हिस्सा पूरी तरह टूट गया। धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में



सामने आया है कि पुराने पुलिस लाइंस टकराई थी।पाकिस्तान में जनवरी से अब तक 990 आतंकी घटनाएं हुई हैं।

इसमें 1,129 लोगों की मौत हो चुकी है।पटना के बाद पुलिस और हमलावरों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस के अनुसार, धमाके के बाद 7 आतंकियों ने पुलिस लाइंस परिसर में घुसने की कोशिश की थी। 6 आतंकियों को मार गिराया गया है, जिनमें एक आत्मघाती हमलावर भी शामिल है। हमले की जिम्मेदारी इस्तेहाद-उल-मुजाहिदीन पाकिस्तान नाम के आतंकी गठबंधन ने ली है। यह संगठन पिछले साल बना था और इसमें पाकिस्तान के कई उग्रवादी गुट शामिल हैं।

उज्जैन में संघ प्रमुख का युवाओं को संदेश

धर्म बांधता नहीं बल्कि मुक्त करता है, बताया रिलीजन से क्यों है अलग

उज्जैन,एजेंसी। उज्जैन के देवास रोड स्थित गीता भवन में आयोजित तीन दिवसीय युवा धर्म संसद के दूसरे दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान संघ प्रमुख ने युवाओं को धर्म का वास्तविक अर्थ समझाया और जीवन में इसके महत्व पर मार्गदर्शन दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने उद्बोधन में रिलीजन और धर्म का अंतर बताते हुए स्पष्ट किया कि रिलीजन का अर्थ धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि



अंग्रेजी शब्दकोश में धर्म के लिए कोई सटीक शब्द ही नहीं है। रिलीजन शब्द की उत्पत्ति रिलिजियो से हुई है, जो बांधने का संकेत देता है, जबकि धर्म किसी को बांधता नहीं, बल्कि मुक्त करता है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति इसके

कर्मकांड को मिटाना चाहती है, इसलिए इसे रिलीजन का नाम देती है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि भारत धर्मपरा देश है। किसी भी नए विचार या जिज्ञासा का समाधान पाने के लिए पहले अपने मन को स्थिर और खाली करना होगा। जब तक पुरानी बातें दिमाग से नहीं हटेंगी, तब तक नया सीखना संभव नहीं है। बता दें कि इस धर्म संसद में देशभर से लगभग 1,700 युवा छत्र-छात्राएं तथा 300 से अधिक विद्वान, शिक्षक, शोधकर्ता और धर्माचार्य हिस्सा ले रहे हैं।

धर्म ही देता है युवाओं को दिशा...
कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि धर्म केवल बुजुर्गों के लिए नहीं है बल्कि यह युवाओं को सही दिशा दिखाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि महाभारत के अंत के पांच श्लोक पूरी महाभारत का सार हैं। जीवन में धर्म से ही काम, अर्थ और मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि धर्म पर रोते-रोते चलने के बजाय यदि इसे समझकर अपनाया जाए, तो जीवन सार्थक हो जाता है। किसी को पीड़ा न देना ही सबसे बड़ा धर्म है और पीड़ा देना महापाप है।

महिला सिलेंडर नहीं उठा सकती कहकर नौकरी नहीं दी थी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इंडियन ऑयल अब 12 लाख का मुआवजा देगा

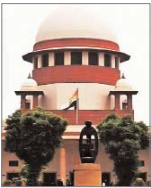
नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसी) को योग्य महिला उम्मीदवार रहीं सुमित्रा को 12 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। करीब 38 साल पहले आईओसी ने यह कहकर नौकरी देने से इनकार किया था कि महिला सिलेंडर नहीं उठा पाएगी।

इंटरव्यू दिया था, लेकिन नौकरी नहीं मिली... सुमित्रा हरियाणा के गुदा गांव की रहने वाली हैं। साल 1988 में उनका नाम उन 49 लोगों की सूची में शामिल था, जिनकी सिफारिश डिटी कमिश्नर की अध्यक्षता वाली समिति ने आईओसी के LPG बॉटलिंग प्लांट के लिए की थी।



जताते हुए कहा कि केवल महिला होने के आधार पर नौकरी न देना नारीत्व का अपमान है।

सुमित्रा ने खलासी, चपरसी या सीफिलिंग हेल्पर के पद के लिए इंटरव्यू दिया था। उन्हें नौकरी नहीं मिली, जबकि अन्य लोगों को अपॉइंटमेंट लेटर दे दिए गए थे। इसके बाद महिला ने नौकरी नहीं दिए जाने के फैसले के खिलाफ ट्रायल कोर्ट का रुख किया। ट्रायल कोर्ट ने माना कि महिला नौकरी के लिए तय योग्यता पूरी करती थीं। कोर्ट ने एक गवाह के बयान का भी हवाला दिया, जिससे यह बात सामने आई कि उन्हें सिर्फ



विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर 21 सितंबर को सुनवाई करने पर सहमति जताई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई सोमवार को होगी, क्योंकि एसआईआर से जुड़े अन्य मामले भी अगले सप्ताह सूचीबद्ध हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दावा किया कि दिल्ली में करीब 47 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जिनमें से 33 लाख लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने नोटिस पाने वालों के नाम और नाम हटाने के आधार सार्वजनिक नहीं किए हैं।

उद्धव ठाकरे बोले: दिशा सालियान केस से हमारा लेना-देना नहीं

परिवार को बेवजह बदनाम किया जा रहा, कानूनी कार्रवाई करूंगा

मुंबई,एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को कहा कि दिशा सालियान केस को लेकर उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा- इस मामले से हमारा दूर-दूर तक संबंध नहीं है। ठाकरे ने छत्रपति संभाजीनगर में कहा- मेरा भी नाम है। आपका भी नाम आएगा। मोदी और ट्रम्प का भी नाम आ सकता है। आखिर



नाम क्यों लिया जा रहा है? यह राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है। ठाकरे ने कहा- बेवजह

चरित्रहनन बहुत हो गया और अगर ये जारी रहा तो मैं बिना किसी से सलाह लिए कानूनी कार्रवाई पर मजबूर हो जाऊंगा। उन्होंने कहा- हमने तय किया था कि जांच पूरी होने तक कुछ नहीं बोलेंगे। ठाकरे ने गुस्से में चेतावनी दी कि हमारा इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। उस युवा महिला की जान चली गई। ठाकरे ने कहा- मैं उन्हें नहीं जानता था। मैं उनसे कभी नहीं मिला। मेरा उनसे या जो कुछ हुआ, उससे कोई संबंध नहीं

मैं तो दिशा को जानता भी नहीं: ठाकरे... उद्धव ने कहा कि इस मामले में लगातार नाम घसीटे जा रहे हैं। हम इतने समय तक गुप रहे, क्योंकि सरकार ने खुद इसकी जांच के लिए SIT बनाई थी। हमने उन्हें अपनी जरूरत के हिसाब से जांच करने देने के लिए चुपठी साधे रखी।

है। फिर भी मेरा नाम इसमें घसीटा जा रहा है।

केरलम बाल अधिकार आयोग बोला-लंबे बालों पर भेदभाव न करें

● स्कूल ऐसे बच्चों को सजा न दें ● बच्चे पसंद से बाल बढ़ाने के लिए आजाद

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरलम राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि बालों की लंबाई के आधार पर बच्चों से भेदभाव न करें। आयोग ने कहा कि लड़के और किसी खास जेंडर की पहचान नहीं रखने वाले बच्चे अपनी पसंद के अनुसार बाल बढ़ा सकते हैं। स्कूल उन्हें इसके लिए सजा नहीं दे सकते। यह आदेश 17 सितंबर को जारी किया गया जिसमें कहा गया कि बच्चे अपनी पसंद के कपड़े भी पहन सकते हैं।



बाहर नहीं निकाल सकते। उनके साथ भेदभाव या कोई दूसरी दंडात्मक कार्रवाई भी नहीं की जा सकती। आयोग ने कहा कि स्कूलों को बच्चों की बाहरी शक्ल-सूरत के बजाय उनकी पढ़ाई और व्यक्तित्व विकास को ज्यादा प्राथमिकता देनी चाहिए।

दो याचिकाओं पर आया आदेश: यह आदेश

नई गाइडलाइन बनाने का निर्देश... आयोग ने कहा कि राज्य के शिक्षा विभाग या CBSE की ओर से इस मामले में कोई खास गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। इसलिए उचित गाइडलाइन तुरंत तैयार की जाए। गाइडलाइन जारी करने से पहले इन बच्चों की बात भी सुनी जानी चाहिए। आयोग ने अपने निर्देशों पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट 45 दिन में जमा करने को कहा है।

दो याचिकाओं पर सुनवाई के बाद आया। पहली याचिका कोझिकोड के रामनाडुकरा की रहने वाली इंदु मेनन ने दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि जेंडर-न्यूट्रल होने का दावा करने वाले स्कूल भी लड़कों और ट्रांसजेंडर की पहचान नहीं रखने वाले बच्चों से भेदभाव करते हैं।

अमेरिका में सिख ट्रक ड्राइवर को 17 बार चाकू मारा

हमले से कुछ दिन पहले ट्रम्प के मंत्रालय ने मिस्टर सिंह वाला पोस्ट किया था

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के व्योमिंग में 28 साल के पंजाबी सिख ट्रक ड्राइवर पर 17 बार चाकू से हमला किया गया। उनकी गर्दन, सीने, हाथ और पसलियों पर चोट आई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।



पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान एंड्रयू क्रिस को नए सिबल और नाम चुनने को कहा गया है। हमले से कुछ दिन पहले

ट्रम्प प्रशासन के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (DHS) ने अप्रवासी ट्रक ड्राइवरों पर निशाना साधते हुए 'मिस्टर सिंह' लिखा एक विवादित पोस्ट किया था।

टीएमसी का चुनाव चिह्न और नाम इस्तेमाल करने पर रोक

चुनाव आयोग बोला- तृणमूल के दोनों गुट नए सिंबल चुनें

कोलकाता,एजेंसी। चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के 'घास पर दो फूल' वाले चुनाव चिह्न और नाम के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। झूठ के दोनों गुटों को नए सिंबल और नाम चुनने को कहा गया है। उन्हें शुक्रवार सुबह तक अपने तीन पसंदीदा नाम और चुनाव चिह्न सौंपने का निर्देश दिया है।



एतेशामुल हक नंदीग्राम और

राहुल गांधी बोले- वोट चोरी के बाद अब पार्टी चोरी

ये सिर्फ ममता बनर्जी की लड़ाई नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) के चुनाव चिह्न और नाम के इस्तेमाल पर रोक लगाने के चुनाव आयोग के आदेश की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई सिर्फ ममता बनर्जी की नहीं है। वोट चोरी और सरकार चोरी के बाद अब पार्टी चोरी हो रही है।



जम्मू-कश्मीर में लश्कर मददगारों के ठिकानों पर छापेमारी

चीन में बनी 2 ग्रेनेड, एक पिस्तौल-गोलियां बरामद

4 दिन पहले 3 आतंकी मददगार गिरफ्तार हुए थे

नगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में राजौरी पुलिस ने गुरुवार को 4 दिन पहले गिरफ्तार किए गए 3 आतंकी मददगारों के ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान एक पिस्तौल, मैगजिन और गोलियां बरामद की गईं। इसके अलावा 2 चीनी ग्रेनेड भी मिले।



पुलिस के मुताबिक, आरोपी आतंकियों को पनाह देने के साथ

उन्हें एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने में मदद करते थे। आरोपियों ने 2023 में रियासी के चसाना में मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों की भी मदद की थी। जांच में यह भी पता चला कि उन्होंने कई आतंकी समूहों को रहने की जगह और दूसरी जरूरी मदद दी।

एफआईआर नंबर की जांच के दौरान मॉड्यूल का पता चला... पुलिस के मुताबिक, राजौरी के धरमसाल थाने में दर्ज F.I.R नंबर 95/2026 की जांच के दौरान इस मॉड्यूल का पता चला। जांच में सामने आया कि तीनों आरोपी प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। उन्होंने आतंकियों को रहने की जगह दी और उन्हें एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने में मदद की।

संक्षिप्त समाचार



मानसून की विदाई से पहले मौसम का यू-टर्न, वर्षाबारी से 8.2 डिग्री तक गिरा तापमान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मानसून की विदाई से पूर्व अचानक अपना मिजाज बदल लिया है। सितंबर के मध्य में ही राज्य के ऊंचे पर्वतीय दरों में सीजन का पहला हिमपात दर्ज किया गया है। प्रदेश में हिमपात और वर्षा के बीच तापमान में 8.2 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। रोहतांग पास, शिकुला, बारालाचा ला और कुंजुम दर्रे में 4 से 6 इंच तक ताजा हिमपात हुआ है, जबकि प्रदेश में कई स्थानों पर मध्यम वर्षा दर्ज की गई है। प्रदेश में अभी मौसम तेवर दिखाएगा। शुक्रवार को भी कुछ जगह बारिश की संभावना है। लाहौल-स्पीति और मनाली को जोड़ने वाले प्रमुख दर्रा पर बर्फ जमने से फिसलने का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय चालकों को ऊंचे दरों की ओर अनावश्यक यात्रा न करने की सख्त चेतावनी जारी की है। प्रदेशभर में 60 सड़कें और 31 विद्युत ट्रांसफार्मर बाधित हुए हैं। प्रदेश में बंद सड़कों में मंडी जिले में 33 सड़कें, कांगड़ा में 10, कुल्लू में 9 सड़कें बंद हैं जिन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। जबकि सिरमौर में 30 बिजली के ट्रांसफार्मर बाधित रहे।

627.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज : प्रदेश में 1 जून से 17 सितंबर के दौरान 627.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जो सामान्य से 10 प्रतिशत कम है, जबकि सितंबर माह में अब तक 17 दिनों में 78.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जो सामान्य से 3 प्रतिशत कम है।

नैना देवी में सबसे ज्यादा बारिश: प्रदेश में बीते चौबीस घंटों के दौरान नैना देवी जी में 86, घाघस में 40, सुंदरनाथ में 37, नाहन में 34, मनाली में 17 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। प्रदेश में अधिकतम तापमान में सबसे अधिक गिरावट कल्पा में 8.2 डिग्री के कारण 14.2, घुंजर में 7.5 डिग्री की गिरावट के कारण 24.1, तांबा में 7.1 डिग्री की गिरावट के कारण 18.5, मंडी में 6 डिग्री जबकि बाकी स्थानों पर दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। न्यूनतम तापमान में एक से चार डिग्री का अंतर आया है। पालमपुर में न्यूनतम तापमान में 4.5 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। जबकि बाकी स्थानों पर एक से दो डिग्री का अंतर आया है।

मानसून को नुकसान का आंकड़ा: प्रदेश में मानसून के दौरान 30 जून से 17 सितंबर के दौरान 3212.84 करोड़ के नुकसान का आकलन किया गया है। लोक निर्माण विभाग को सड़कों और पुलों के कारण 2744.67 करोड़, जबकि जल शक्ति विभाग को 383.57 करोड़ के नुकसान का आकलन किया गया है। 234 मकान पूरी तरह से ध्वस्त हो चुके हैं।

कानोडिया पीजी महिला महाविद्यालय में 'नशा मुक्ति एवं माय भारत' पर जागरूकता सत्र

छात्राओं ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

जयपुर, एजेंसी। कानोडिया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाइयों द्वारा 'नशा मुक्ति एवं माय भारत' विषय पर युवाओं में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्मवीर कटेवा (अध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश नशाबंदी समिति, जयपुर एवं सचिव, इंडियन अस्थमा केयर सोसाइटी, अस्थमा भवन, विद्याधर नगर, जयपुर रहे। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने छात्राओं को नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने तथा छात्राओं को 100 सप्ताह नशा मुक्त युवा अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्मवीर कटेवा ने अपने दीर्घकालिक नशा मुक्ति अभियानों के अनुभवों को साझा करते हुये नशा मुक्त राजस्थान-दारु नही, दूध के साथ करे नववर्ष की शुरुआत पहल का विशेष रूप से उल्लेख किया।

अगले वर्ष से छठवीं कक्षा के लिए त्रि-भाषा नीति लागू करने पर विचार करे सीबीएसई: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षा व्यवस्था में एक संवेदनशील और दूरगामी कदम उठाते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से आग्रह किया है कि वह छठवीं कक्षा के छात्रों के लिए त्रि-भाषा नीति को आगामी शैक्षणिक सत्र 2027 से लागू करने पर गंभीरता से विचार करे। कोर्ट ने यह टिप्पणी बच्चों के मानसिक सुकून और उनकी पढ़ाई में बिना किसी रुकावट के सहज बदलाव को ध्यान में रखते हुए की है।

कोर्ट का यह सुझाव न केवल शिक्षाविदों बल्कि अभिभावकों के बीच भी चर्चा का केंद्र बन गया है। न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि बच्चों को राहत देने के उद्देश्य से इस नीति को अगले शैक्षणिक सत्र से लागू किया जाना चाहिए। हालांकि, यदि वर्तमान छठवीं कक्षा के छात्र स्वेच्छा से इस वर्ष से ही तीन भाषाएं पढ़ना



चाहें, तो उनके लिए यह विकल्प खुला रहना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान सीबीएसई की ओर से पेश अडिशनल सालिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने इस सुझाव पर

नीति के क्रियान्वयन के लिए विशेष समिति का गठन: सीबीएसई ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि संबद्ध स्कूलों में त्रि-भाषा ढांचे को सुचारू रूप से लागू करने और उसकी निगरानी के लिए 16 सितंबर को एक विशेष समिति का गठन किया गया है। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के निदेशक भगवती प्रसाद कलाल की

अध्यक्षता वाली इस उच्चस्तरीय समिति में एनसीईआरटी और केवीएस (केंद्रीय विद्यालय संगठन) के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। यह समिति स्कूलों में भाषा विकल्पों, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता, पाठ्यपुस्तकों और डिजिटल सामग्री की समीक्षा कर रही है ताकि नीति लागू करने में आने वाली बाधाओं को समय रहते दूर किया जा सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बदलाव

यह पूरा घटनाक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 के तहत स्कूली शिक्षा को अधिक समृद्ध बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। सीबीएसई के पूर्व सचुलर के अनुसार, नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए भी तीन भाषाओं (जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य हैं) का अध्ययन शुरू हो चुका है, जबकि विदेशी भाषा को केवल तीसरे या अतिरिक्त वीथे विकल्प के रूप में ही चुना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इस हस्तक्षेप से उम्मीद है कि बच्चों की शिक्षा का स्तर भी ऊंचा उठेगा और उन पर अकादमिक दबाव भी नहीं बढ़ेगा।

नोएडा में तीसरे दिन भी जारी सफाईकर्मियों की हड़ताल, लगा कूड़े का अंबार, बीमारियों का खतरा बढ़ा

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण आवासीय सेक्टरों और सोसायटियों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। बृहस्पतिवार को हड़ताल का तीसरा दिन था और इन तीन दिनों से कोई सफाई कर्मी आवासीय सेक्टरों में कूड़ा उठाने नहीं आया। इसके परिणामस्वरूप सेक्टरों में जगह-जगह कचरे के बड़े पहाड़ जमा हो गए हैं। इस फैली हुई गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ गया है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। कचरा जमा होने से सेक्टरों में इतनी भयानक बदबू आने लगी है कि लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। सफाई कर्मियों की हड़ताल का मुख्य कारण वेतन बढ़ोतरी की मांग,



रुके हुए वेतन का भुगतान और मृतक आश्रितों को नौकरी देने जैसे मुद्दे हैं। कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर काम का बहिष्कार कर रहे हैं। हड़ताल के कारण सेक्टरों में सफाई कर्मी नियमित रूप से नहीं पहुंच रहे हैं, जिससे कचरा डालने के स्थानों पर कचरे की मात्रा में अत्यधिक बढ़ोतरी हो चुकी है।

कैसे हैं हालात: हालात ये हैं कि सड़क किनारे भी गंदगी का अंबार लग गया है। इस गंभीर समस्या से शहर के हजारों निवासी परेशान हैं। निवासियों

उनके सेक्टर में करीब पांच सौ परिवार निवास करते हैं। इसी तरह, सेक्टर 105 के निवासी दीपक शर्मा ने बताया कि सफाईकर्मियों के न आने से गंदगी बढ़ गई है, जिससे 20 हजार से अधिक लोग प्रभावित हो रहे हैं। शहर के अन्य हिस्सों में भी कूड़े के बड़े ढेर लगे हैं। सेक्टर 12 के अध्यक्ष डा. तरसेम चंद ने स्थिति की गंभीरता बताई। यह पहली बार नहीं है जब शहर में ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है। इससे पहले भी सफाईकर्मियों की हड़तालें हो चुकी हैं। अब आम लोगों का सवाल है कि कर्मचारियों की समस्याओं का स्थायी समाधान कब होगा।सेक्टर 22 के एच ब्लाक अध्यक्ष प्रदीप वोहरा ने बताया कि उनके सेक्टर के 12 ब्लाकों में लगभग 15 हजार लोग सफाई व्यवस्था बाधित होने से बुरी तरह परेशान हैं।

पांच मिनट की गूगल मीट कॉल में 80 नौकरियां खत्म: अमेरिकी कंपनी ने पूरी भारतीय कस्टमर सर्विस टीम हटाई, वजह क्या

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी ब्लू वाइन ने महज पांच मिनट की गूगल मीट कॉल में 80 लोगों की अपनी पूरी भारतीय कस्टमर सर्विस टीम को ही निकाल बाहर किया है। आर/इंडिया वर्कस्पेस कम्प्युनिटी में एक प्रभावित कर्मचारी ने अपना दर्द साझा करते हुए घटना की पूरी जानकारी दी है। कर्मी ने बताया कि छंटनी वाले दिन मैनेजमेंट ने सभी 80 कर्मचारियों को ऑपरेशनल कारणों (कामकाजी वजहों) का हवाला देकर ऑफिस आने के बजाय घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करने के लिए कहा था। कर्मचारी अपनी शाम 6:30 बजे की सामान्य शिफ्ट कर रहे थे। शिफ्ट शुरू होने के ठीक 3 घंटे बाद, रात 9:30 बजे अचानक पूरी टीम को एक गूगल मीट लिंक के जरिये वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने को कहा गया। मीटिंग शुरू होते ही सीनियर मैनेजमेंट ने बिना किसी पूर्व चेतावनी या नोटिस के सीधे तौर पर कह दिया कि पूरी भारतीय कस्टमर सर्विस टीम को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जा रहा है। यह पूरी बातचीत महज 5 मिनट में खत्म हो गई। प्रबंधन ने कथित तौर पर प्रदर्शन से जुड़ी समस्याओं (परफॉरमेंस इश्यू) और अपेक्षाओं के अनुरूप आउटपुट न मिलने का हवाला दिया है। प्रभावित कर्मचारियों ने इन आरोपों को नकारा है और सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त की है।

डिजिटल बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता है कंपनी: अमेरिकी कंपनी डिजिटल बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता है। यह अमेरिका में छोटे और मध्यम स्तर के व्यवसायों को बैंकिंग, लोन और पेमेंट जैसी वित्तीय सेवाएं देती है। इस कंपनी का मुख्यालय न्यू जर्सी में है। कंपनी में वैश्विक स्तर पर करीब 1,000 कर्मचारी हैं। भारत में काम कर रही इसकी पूरी कस्टमर सपोर्ट यूनिट में 80 कर्मचारी थे, जिन्हें एक साथ इस कॉल के जरिये निकाला गया। एक्सप्रेस तुरंत ब्लांक किया : जैसे ही 5 मिनट की गूगल मीट खत्म हुई, कर्मचारियों के ऑफिशियल ईमेल, व्हाट्सएप और कंपनी के अन्य सभी सिस्टम के एक्सेस तुरंत बंद कर दिए गए। उन्हें अपनी बात रखने का मौका भी नहीं मिला। एआई बना छंटनी की वजह : कंपनी ने हाल ही में कॉल और ईमेल सपोर्ट के लिए एआई टूल्स को लागू किया था, जिसके बाद इसीनी कॉल्स के वॉल्यूम में 30% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई थी। बचे हुए काम को संभालने के लिए कंपनी ने किसी बाहरी थर्ड-पार्टी वेंडर को काम सौंप दिया है, जिससे उन्हें इन पक्के कर्मचारियों की जरूरत नहीं रही। प्रभावित कर्मचारी ने अपनी पोस्ट में लिखा, सभी 80 कर्मचारी। सब चले गए... सिर्फ एक 5 मिनट की कॉल से 80 परिवार प्रभावित हुए हैं।

रियाद को 48 एफ-35 देगा अमेरिका: हूती-सऊदी तनाव के बीच ट्रंप प्रशासन ने उठाया बड़ा कदम; चीन पर भी नजर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए ट्रंप प्रशासन ने सांसदों से कहा कि वे सऊदी अरब को 48 एफ-35 की बिक्री को मंजूरी दें। इस सौदे की अनुमानित लागत 24.3 अरब डॉलर है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'इस प्रस्तावित बिक्री से अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लक्ष्यों को समर्थन मिलेगा। इससे एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी की सुरक्षा मजबूत होगी। यह देश खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के लिए एक ताकत है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि ये अमेरिका के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान हैं। इनकी बिक्री से 'क्षेत्र में सैन्य संतुलन नहीं बदलेगा'। अमेरिका ने यह बात अपनी लंबे समय से चली आ रही नीति के तहत कही है। इस नीति के अनुसार, पश्चिम एशिया क्षेत्र में दुश्मनों के मुकाबले इस्तेमाल के पास सैन्य बढ़त होनी चाहिए।



उन्होंने मारीब के ऊपर एक सऊदी एफ-15 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। मारीब यमन का एक अहम शहर है। यहां हूती विद्रोही सऊदी समर्थित यमनी सरकार की सेना लड़ रहे हैं। हूती विद्रोहियों ने एक वीडियो भी जारी किया। इसमें शहर में लड़के जलते हुए मलबे के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। मलबा अमेरिकी कंपनी का बनाया हुआ एफ-15 लड़ाकू विमान बताया गया। उस पर सऊदी अरब के निशान दिखाई दे रहे थे। हूती विद्रोहियों का दावा है कि विमान को 'स्थानीय एशिया क्षेत्र में दुश्मन से हवा में मार करने वाले मिसाइल से गिराया गया। अगर यह दावा सही है, तो इससे क्षेत्र में युद्ध लड़ने की हूती विद्रोहियों की क्षमता में बड़ा बदलाव माना जाएगा। अब तक यमन में सऊदी अरब की

सेना को हवा में बढ़त हासिल रही है। उसने पड़ोसी देश यमन में हवाई हमले करने की अपनी क्षमता पर काफी भरोसा किया है। सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच लड़ाई गुरुवार को और तेज हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस संघर्ष में पांच लोगों की मौत हुई। इनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। सऊदी अरब ने लंबे समय से वाशिंगटन से कहता रहा है कि वह हूती लड़कों के साथ उसके संघर्ष में सीधे तौर पर भूमिका निभाए। लेकिन अमेरिका ने कहा है कि वह इस संघर्ष में सीधे हस्तक्षेप नहीं करेगा। यह संघर्ष ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों, सऊदी अरब और सऊदी समर्थित यमनी सरकार के बीच है।

चीन को लेकर अमेरिका की चिंता क्या है: वाशिंगटन को इन विमानों को लेकर चीन की संभावित जासूसी की भी चिंता है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस हथियार की कि अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने इसकी आशंका जताई है। बीजिंग सऊदी अरब के साथ अपनी साझेदारी के जरिये एफ-35 की तकनीक हासिल कर सकता है। अमेरिकी काँग्रेस (संसद) के प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति ने इसी आधार पर इस सौदे का विरोध किया।

अमेरिका को छोड़ हजारों किमी दूर यूरोप से क्यों गठबंधन बना रहा कनाडा, 'खास सदस्य' बनने का क्या

वाशिंगटन, एजेंसी। यूरोपीय आयोग (ईसी) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने हाल ही में कहा है कि वह सहयोगी के तौर पर कनाडा को यूरोपीय संघ (ईयू) से जोड़ने के दरवाजे खोलना चाहती हैं। उर्सुला के मुताबिक, यह कदम कनाडा को ईयू का पूर्ण सदस्य बनाए बिना एक सहयोगी सदस्य का दर्जा देगा, जो कि दोनों के संबंधों में एक खास पहल होगी। मजेदार बात यह है कि पड़ोसी अमेरिका से लगातार खराब होते रिश्तों के बीच कनाडा के राष्ट्रपति मार्क कार्नी ने भी स्वीकार किया कि वह यूरोपीय संघ के साथ करीबी रिश्तों के मौके तलाश रहे हैं, वह भी देश को यूरोपीय संघ का पूर्ण सदस्य बनाए बिना। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष और कनाडा के राष्ट्रपति का दिया यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि यूरोपीय संघ में फिलहाल 27 सदस्य हैं और यह सभी पूर्ण और स्थायी हैं। हालांकि, कनाडा को पहली बार



ईयू के सहयोगी सदस्य के तौर पर इस गठबंधन से जुड़ने की पेशकश हुई है, जो अपने आप में खास है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर ईयू का महासागर के पार हजारों किलोमीटर दूर स्थित किसी देश को 'सहयोगी

सदस्य' बनाने का प्रस्ताव क्या है और इसके अंतर्गत कनाडा से उसके रिश्ते कैसे होंगे? कनाडा इसके जरिए ईयू से क्या चाहता है? क्यों यह स्थिति दोनों ही पक्षों के लिए जटिल हो सकती है? अमेरिका ने अपने पड़ोसी देश को

इस प्रस्तावित व्यवस्था का न्योता मिलने पर क्या कहा है यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन को तर्फ से कनाडा को सहयोगी सदस्य बनाने का प्रस्ताव दोनों पक्षों के बीच तनावपूर्ण वैश्विक माहौल में रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने के मकसद से पेश किया गया है। खासकर ऐसे समय में जब डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की वजह से यूरोपीय संघ और कनाडा दोनों के ही अमेरिका से रिश्ते तनावपूर्ण हुए हैं। न्यूज एजेंसी- रॉयटर्स के मुताबिक, यूरोपीय संघ अब कनाडा के साथ एक साझा समृद्धि और आर्थिक क्षेत्र का निर्माण करना चाहता है। इसमें अहम खनिजों, रक्षा औद्योगिक क्षमता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कंप्यूटिंग, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरिक्ष, और डिजिटल व्यापार में गहरा सहयोग शामिल है। दोनों पक्ष एक ऐसी व्यवस्था पर भी विचार कर रहे हैं जिससे

कनाडाई नागरिकों को बिना वीजा के यूरोप में रहने और काम करने की सुविधा मिल सके। इसका मकसद अमेरिका और चीन के आर्थिक वर्चस्व का मुकाबला करना और लोकतंत्र, खुले बाजारों और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा का होगा। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने स्पष्ट किया कि कनाडा, ईयू की पूर्ण सदस्यता नहीं मांग रहा है, बल्कि वह एक अद्वितीय गठबंधन बनाना चाहते हैं, जो कनाडा की संप्रभुता को मजबूत करे। कार्नी का कहना है कि गठबंधन को क्या नाम दिया जाता है, उससे ज्यादा अहम सहयोग की वास्तविकता होगी।

1. यूरोपीय संघ में सहयोगी सदस्य जैसा ढांचा ही नहीं : मौजूदा समय में यूरोपीय संघ की सदियों में 'सहयोगी सदस्य' जैसा कोई कानूनी दर्जा या स्थापित ढांचा मौजूद नहीं है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में सेवा संकल्प अभियान-2026 का शुभारंभ

आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में विधायक रीती पाठक ने विद्यार्थियों को दिलाया सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सीधी विधायक रीती पाठक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक रीती पाठक सहित उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान, सेवा और संवेदनशीलता की भावना से जुड़ने का संदेश दिया गया आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में विद्यार्थियों और महाविद्यालय परिवार ने सामाजिक संरोकारों को



मजबूत करने तथा समाज के वरिष्ठजनों के सम्मान एवं सेवा के लिए अपना संकल्प व्यक्त किया। भारतीय संस्कृति में वरिष्ठजनों के सम्मान का विशेष महत्व: मुख्य अतिथि विधायक रीती पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान करना भारतीय संस्कृति

और संस्कारों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वरिष्ठजन अपने अनुभव और जीवन मूल्यों के माध्यम से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हैं। इसलिए युवाओं का दायित्व है कि वे वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान और सेवा की भावना बनाए रखें उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता प्राप्त करना नहीं बल्कि समाज के प्रति अपने

दायित्वों को समझना भी है युवा यदि सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ आगे बढ़ें तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है विधायक ने कहा कि युवा पीढ़ी देश और समाज की महत्वपूर्ण शक्ति है विद्यार्थियों में ऊर्जा, क्षमता और नई सोच होती है इनका सकारात्मक दिशा में उपयोग कर सामाजिक समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है उन्होंने विद्यार्थियों से अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों की सहायता करने और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों ने लिया सेवा का संकल्प: कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार ने वरिष्ठजनों के प्रति

सम्मान और सेवा-भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को परिवार और समाज में वरिष्ठजनों के सहायता के लिए आगे आने का संदेश दिया गया महाविद्यालय परिवार ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ सामाजिक मूल्यों से जोड़ना आवश्यक है सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व युवाओं के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को समाज के प्रति जिम्मेदार बनाने में सहायक होते हैं कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में नोडल अधिकारी डॉ. अनिल सिंह ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संवेदनशीलता, संस्कार और सेवा भावना का विकास करना रहा अभियान के माध्यम से युवाओं को समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का संदेश दिया गया महाविद्यालय उत्तरदायित्व युवाओं के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को समाज के प्रति जिम्मेदार बनाने में सहायक होते हैं कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में नोडल अधिकारी डॉ. अनिल सिंह ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मधुगांव में हाथियों का उत्पात, 12 से ज्यादा किसानों की धान की फसल रौंदी बाड़ी और बाउंड्री भी क्षतिग्रस्त, वन विभाग की टीम ने संभाला मोर्चा



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के चुरहट थाना क्षेत्र के मधुगांव गांव में शुक्रवार दोपहर जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। करीब दो बजे अचानक गांव के खेतों में पहुंचे हाथियों ने कई किसानों की धान की खड़ी फसल को पैरों तले कुचल दिया हाथियों के विचरण से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों के झुंड ने 12 से अधिक किसानों की फसल

को नुकसान पहुंचाया है इसके अलावा कई किसानों की बाड़ी और बाउंड्री भी क्षतिग्रस्त हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का झुंड अचानक खेतों की ओर आ गया और धान की फसल को रौंदते हुए आगे बढ़ने लगा जिस समय हाथी खेतों में पहुंचे, उस दौरान धान की फसल में बालियां आ रही थीं किसान अच्छी पैदावार की उम्मीद लगाए हुए थे लेकिन हाथियों के झुंड ने कुछ ही समय में खेतों में

खड़ी फसल को काफी नुकसान पहुंचा दिया हाथियों के गुजरने वाले रास्ते में आने वाली फसल पूरी तरह कुचल गई।

12 से ज्यादा किसानों की फसल प्रभावित: ग्रामीण सूर्यभान साकेत ने बताया कि उनके खेत के साथ रामबहादुर प्रजापति सहित करीब 10 अन्य किसानों के खेतों में लगी धान की फसल को हाथियों ने नुकसान पहुंचाया है ग्रामीणों के मुताबिक आसपास के अन्य किसानों की फसल भी प्रभावित हुई है खेतों में नुकसान के साथ बाड़ी और बाउंड्री को भी हाथियों ने तोड़ दिया।

सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम: हाथियों के गांव में पहुंचने की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी शुरू की वनकर्म लगातार क्षेत्र में

गश्त कर रहे हैं और ग्रामीणों को हाथियों से दूरी बनाए रखने तथा सतर्क रहने की समझाइश दी जा रही है।

आबादी से दूर खदेड़ने का प्रयास: डिप्टी रेंजर राजेंद्र यादव ने बताया कि वन विभाग की टीम हाथियों के झुंड पर लगातार नजर रख रही है। हाथियों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर पहाड़ी इलाके की ओर भेजने का प्रयास किया जा रहा है उन्होंने बताया कि हाथियों के कारण किसानों की फसल को नुकसान हुआ है नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे पूरा होने के बाद फसल एवं अन्य संपत्ति को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन किया जाएगा फिलहाल वन विभाग की टीम हाथियों की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। चाहे तो इसे भी और ज्यादा दमदार स्थानीय अखबार शैली में 5 वैकल्पिक हेडिंग और 2 लाइन की लीड के साथ भी तैयार कर सकता हूं।

सीधी में प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर विरोध प्रदर्शन, पुतले का प्रतीकात्मक दहन

सवर्ण समाज के युवाओं ने एक घंटे बिजली बंद रखकर जताई नाराजगी, नीतियों और कानूनों के विरोध का दावा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर गुस्कार को सीधी में सवर्ण समाज से जुड़े युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया प्रदर्शनकारियों ने शाम 6 से 7 बजे तक अपने घरों की बिजली बंद रखी। इसके बाद रात में रामगोविंद पैलेस के पास प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के पुतले का प्रतीकात्मक दहन किया गया प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं बल्कि सरकार की कुछ नीतियों और कानूनों को लेकर उनकी असहमति का प्रतीक है। आशीर्वाद का दीया जलाने



की अपील के विरोध में बिजली बंद: प्रदर्शनकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर भाजपा की ओर से शाम 6 से 7 बजे तक घरों में का दीया जलाने की अपील की गई थी। इसके विरोध में सवर्ण समाज से जुड़े लोगों ने इसी समय

अपने घरों की बिजली बंद रखी प्रदर्शनकारियों ने बताया कि एक घंटे तक बिजली बंद रखने का उद्देश्य सरकार की नीतियों के प्रति अपना विरोध दर्ज कराना था उनका दावा है कि जिले के कई लोगों ने इस विरोध में हिस्सा लेते हुए शाम 6 से

7 बजे तक घरों की लाइट बंद रखी प्रदर्शनकारियों ने इसे अपने स्तर पर शांतिपूर्ण तरीके से असहमति जताने का माध्यम बताया।

पहले पुतले की आरती, फिर किया प्रतीकात्मक दहन: गुस्वार रात करीब 8 से 9 बजे के बीच प्रदर्शनकारी रामगोविंद पैलेस के पास एकत्र हुए। यहां एक खेपे के पास प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी का पुतला तैयार किया गया पुतले को नीले कपड़े में लपेटा गया था प्रदर्शनकारियों ने पहले पुतले की आरती उतारी और इसके बाद आरती के लिए जलाए गए दीपक से पुतले का प्रतीकात्मक दहन किया इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने

सरकार की नीतियों और कानूनों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की कार्यक्रम में करीब 30 से 40 लोगों के शामिल होने की बात प्रदर्शनकारियों ने कही।

एससी-एसटी कानून और सूजीसी प्रावधानों को लेकर नाराजगी: समाजसेवी शत्रुघ्न पांडे ने कहा कि सवर्ण समाज सरकार की कुछ नीतियों और कानूनों का विरोध कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नीतियों और कानूनी प्रावधानों के कारण सवर्ण समाज को नुकसान हो रहा है प्रदर्शनकारियों ने विशेष रूप से एससी-एसटी कानून और सूजीसी से जुड़े कुछ प्रावधानों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा-सीधी मार्ग पर स्थित प्रेश की सबसे लंबी मोहनिया टनल में एक बार फिर जालेवा स्टंट का वीडियो सामने आया है शुक्रवार को सामने आए वीडियो में एक युवक चलती बाइक पर खड़े होकर स्टंट करता नजर आ रहा है युवक ने बाइक चलाते हुए सीट से उठकर उसके ऊपर खड़ेहोकर कुछ दूरी तक बाइक दौड़ा और हाथ लहराते हुए वीडियो

बनवाया। बाद में इस वीडियो को इंटरग्राम आईडी पर पोस्ट किया गया वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने युवक की पहचान और तलाश शुरू कर दी है टनल में इस तरह स्टंट करने से युवक के साथ-साथ दूसरे वाहन चालकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती थी वायरल वीडियो मेंदिखाई दे रहा है कि युवक मोहनिया टनल के भीतर बाइक चला रहा है कुछ दूरी तय करने के बाद वह बाइक की सीट से

उठकर उसके ऊपर खड़ा हो जाता है इसके बाद वह दोनों हाथों को लहराते हुए बाइक को आगे बढ़ता रहता है युवक कुछ दूरी तक इसी स्थिति में बाइक चलाता दिखाई दे रहा है। टनल के अंदर उसी दौरान अन्य वाहन भी आवाजाही कर रहे थे ऐसे में बाइक का संतुलन बिगड़ने या अचानक किसी वाहन के सामने आने पर गंभीर हादसा हो सकता था युवक की इस हकत से सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों के लिए भी खतरा पैदा हो सकता था। बताया गया कि युवक ने स्टंट का वीडियो बनाकर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया था सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद पुलिस के सज्जान में मामला आया पुलिस अब वीडियो के आधार पर युवक की पहचान करने में जुटी है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत दिव्यांग सेवा एवं श्रमिक सम्मेलन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सतना-मैहर लोकसभा क्षेत्र के दिव्यांगजनों और श्रमिकों के लिए 19 सितंबर को वृहद दिव्यांग सेवा एवं श्रमिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम सुबह 11:30 बजे बीटीआई मैदान, रीवा रोड सतना में होगा मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम एवं रोजगार विभाग मंत्री प्रहलाद पटेल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे सम्मेलन की अध्यक्षता सांसद गणेश सिंह करेंगे कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सहित सतना एवं मैहर जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायक, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे। सम्मेलन के दौरान संसदीय कार्यालय और समाज कल्याण विभाग में पंजीकृत दिव्यांगजनों में से चर्चयित 590 हितग्राहियों को भारत सरकार की ओएनजीसी के सीएसआर मद से नि:शुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान की जाएगी इसके अलावा दिव्यांगजनों की आवश्यकता के अनुसार अन्य सहायक उपकरण भी वितरित किए जाएंगे आयोजकों के अनुसार इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आवागमन में सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायग देना है पात्र हितग्राहियों को कार्यक्रम के दौरान ही उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

सम्मेलन में मेडिकल कैंप भी लगेगा: दिव्यांग सेवा एवं श्रमिक सम्मेलन के दौरान मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया जाएगा। शिविर में जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श और आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था रहेगी।

लोही प्राथमिक विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता की जांच, कमिश्नर ने दिए सुधार के निर्देश

मीडिया ऑडीटर,मैहर (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह और कलेक्टर मती बिदिशा मुखर्जी ने शासकीय प्राथमिक विद्यालय लोही का निरीक्षण किया अधिकारियों ने विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति, अध्ययन-अध्यापन की स्थिति और उपलब्ध शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया इस दौरान कमिश्नर ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली कमिश्नर सिंह ने विद्यार्थियों से स्कूल में दर्ज छात्रों की संख्या, पाठ्य पुस्तकों के वितरण और पढ़ाई से संबंधित जानकारी ली उन्होंने विद्यार्थियों से पाठ भी पढ़वाया और उनके शैक्षणिक स्तर का परीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि बच्चों की सीखने की क्षमता के अनुसार शिक्षण व्यवस्था विकसित की जाए और कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त प्रयास: कमिश्नर ने कमजोर और होनहार विद्यार्थियों को अलग-अलग बैठकर उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण कार्य कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे की सीखने की क्षमता की निर्यात निगरानी की जाए और कमजोर विद्यार्थियों को आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या कम पाए जाने पर कमिश्नर ने संकुल प्राचार्य को ग्राम के अभिभावकों से संपर्क करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि पालकों को शासकीय विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जानकारी देकर बच्चों को शासकीय स्कूलों में पढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाए।

अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश: निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं पाए जाने पर कमिश्नर सिंह ने संकुल प्राचार्य चुनवारा सत्येंद्र सिंह और बीआरसी आनंद शुक्ला का एक-एक इंफ्रीमेंट रोकने के निर्देश दिए वहीं डीपीसी दिवाकर तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

सुविधा के साथ शुल्क का संतुलन

संपादकीय

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने

वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी

बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है।

लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगाता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो

जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि सरकार को यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर लागू इसलिये करना पड़ा क्योंकि यूपीआई नेटवर्क चलाने के लिए हर साल बीस हजार करोड़ का बोझ उसे वहन करना पड़ता है। पहले सरकार ने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के

लिए ग्राहक व पेमेंट लेने वाले व्यापारियों पर कोई फीस नहीं लगायी थी। लेकिन यूपीआई नेटवर्क के विस्तार के साथ इसे चलाने का खर्च भी लगातार बढ़ता चला गया। यूपीआई का कितनी तेजी से विस्तार हुआ, इस बात का पता इस आंकड़े से चलता है कि वर्ष 2026 के वित्तीय वर्ष में यूपीआई के जरिये हुए 24,161. 69 करोड़ लेन-देन 314 लाख करोड़ रुपये कीमत के हुए। इस बीच यूपीआई से जुड़े बैंकों की संख्या 44 से बढ़कर 703 हो गई है।

सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता व्यक्ति

सुरेश हिंदुस्तानी

तकनीक ने मनुष्य को संवाद के ऐसे साधन उपलब्ध करा दिए हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव लगती थी। अब एक बिल्कल पर दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से संपर्क स्थापित हो जाता है। हजारों मित्र, सैकड़ों समूह, लगातार आती सूचनाएं और हर क्षण सक्रिय रहने वाली आभासी दुनिया ने यह ध्रुम पैदा कर दिया है कि मनुष्य पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गंभीर सामाजिक विडंबना भी आकार ले रही है, संपर्क बढ़ रहे हैं, संवाद घट रहा है और भीड़ बढ़ने के बावजूद मनुष्य भीतर से अकेला होता जा रहा है। उसे आत्मीयता भर शब्दों की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन दुनिया के व्यक्ति केवल ज्ञान देने तक ही सीमित रहते हैं, साथ चलने को कोई तैयार नहीं होता।सोशल मीडिया ने दूरी अवश्य कम की है, लेकिन निकटता की परिभाषा बदल दी है। पहले किसी अपने से मिलने के लिए समय निकालना पड़ता था। आमने-सामने बैठकर बातचीत होती थी, चेहरे के भाव पढ़े जाते थे और मौन भी संवाद का हिस्सा होता था। अब किसी के जीवन में हमारी उपस्थिति कई बार केवल एक ‘लाइक’, एक एमोजी या कुछ शब्दों की टिप्पणी तक सीमित हो गई है। जन्मदिन पर दर्जनों शुभकामनाएं मिल जाती हैं, लेकिन संकट की घड़ी में कंथा देने वाला व्यक्ति तलाशना कठिन हो रहा है। इसी कारण आज हर कोई अकेलेपन की गहराई में लगातार घुसता ही जा रहा है। यह बात सच है कि जो व्यक्ति से मिल सकता है, उसे तकनीक कभी नहीं दे सकती।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भौतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है। इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है।सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अमूर्तपूर्व मंच दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहां हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अन्जाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अवसर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चयनित अंश होता है। जीवन वही सार्थक है, जिसमें समाज और परिवार का साथ हो। किसी भी प्रकार की तुलना करना हानिकारक ही है। यही तुलना धीरे-धीरे आत्मसंतोष को प्रभावित करती है। व्यक्ति अपने जीवन की वास्तविक उपलब्धियों के बजाय दूसरों की आभासी उपलब्धियों से स्वयं को मापने लगता है। लाइक और कमेंट सामाजिक स्वीकृति के नए पैमाने बन जाते हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया कम मिले तो बेचैनी और अधिक मिले तो क्षणिक संतोष प्राप्त होता है। यह चक्र व्यक्ति को बाहरी मान्यता पर निर्भर करता जाता है। विडंबना यह है कि हजारों लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी अपने मन की बात कहने के लिए एक विवशनीय व्यक्ति की तलाश कर सकता है। समाज के सामने एक दूसरी चुनौती संवाद की गुणवत्ता की है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को आसान बनाया है, लेकिन हर अभिव्यक्ति संवाद नहीं होती। संवाद में सुनना भी शामिल है, जबकि डिजिटल संसार में प्रतिक्रिया देने की जल्दबाजी कई बार सुनने की क्षमता को पीछे छोड़ देती है। असहमति होते ही बहस व्यक्तिगत आरोपों में बदल जाती है। विचारों का आदान प्रदान धीरे-धीरे विचारों की टकराहट में बदलने लगता है। इससे सामाजिक विश्वास कमजोर होता है। यहां यह समझना आवश्यक है कि समस्या सोशल मीडिया स्वयं नहीं है। तकनीक एक साधन है, उसका उपयोग उसे उपयोगी या नुकसानदेह बनाता है। सोशल मीडिया ने आपदा के समय सहायता पहुंचाने, ज्ञान साझा करने, रोजगार और व्यवसाय के अवसर पैदा करने तथा दूर रह रहे परिवारों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब पैदा होती है जब साधन जीवन का विकल्प बनने लगे।

सोन में पानी बढ़ा तो बिहार के खेत अब भी प्यासे क्यों?

सोन नदी के पानी का हिसाब अब इंजीनियरों की फाइलों और सरकारी आंकड़ों तक सीमित नहीं रह गया है । यह बिहार के खेतों, किसानों और आने वाली पीढ़ियों के पानी का सवाल है । सांसद सुधाकर सिंह ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री को लिखे पत्र में इसी सवाल को सामने रखा है कि 1973 में सोन बेसिन की जल उपलब्धता 14.25 मिलियन एकड़-फीट (एमएएफ) आंकी गई थी तो अब यह बढ़कर 19.6335 एमएएफ कैसे हो गई? करीब 5.38 एमएएफ की यह बढ़ोतरी किस आधार पर हुई और इसमें से वास्तव में कितना पानी सिंचाई के लिए उपयोग योग्य है?

कुमार कृष्ण

सवाल जितना सीधा है, उसका जवाब उतना ही जरूरी। यदि सोन बेसिन में सचमुच इतना अतिरिक्त पानी उपलब्ध हो गया है तो बिहार के खेत अब भी पानी के लिए क्यों तरस रहे हैं? नहरें अपनी पूरी क्षमता से क्यों नहीं चल रही? सिंचाई परियोजनाएं पानी की प्रतीक्षा क्यों कर रही हैं? और यदि यह पानी वास्तव में उपलब्ध और उपयोग योग्य नहीं है तो उसे ‘अतिरिक्त जल’ मानकर भविष्य की हिस्सेदारी के सवाल में क्यों लाया जा रहा है?

31 अगस्त 2026 को बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी जल बंटवारे का समझौता हुआ। नई दिल्ली में हुए इस समझौते के तहत अविभाजित बिहार के हिस्से में रहे 7.75 एमएएफ पानी में से बिहार को 5.75 एमएएफ और झारखंड को 2 एमएएफ देने पर सहमति बनी। इससे झारखंड गठन के बाद करीब ढाई दशक से चले आ रहे विवाद को समाप्त करने का रास्ता खुला है। यह समझौता जरूरी था। 2000 में झारखंड के अलग राज्य बनने के बाद पुराने बिहार के हिस्से के पानी का नए राज्य के साथ बंटवारा कैसे हो, यह सवाल लगातार बना रहा। अब दोनों राज्यों ने अपने हिस्से तय कर लिए हैं। लेकिन समझौते पर हस्ताक्षर होते ही असली सवाल खत्म नहीं होता, शुरू होता है।

क्योंकि नदी में पानी होना और किसान के खेत में पानी पहुंचना एक बात नहीं है। नदी में बहने वाला कुल पानी, बैराज तक पहुंचने वाला पानी, बैराज से छोड़ा गया पानी, नहर में जाने वाला पानी और अंततः खेत तक पहुंचने वाला पानी—इन सबके बीच अंतर है। सरकारी कागज में दर्ज जल उपलब्धता और किसान के खेत में उपलब्ध पानी के बीच यही दूरी हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विडंबना है। सुधाकर सिंह के पत्र में बिहार जल संसाधन विभाग के 20 अगस्त 2026 के एक पत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि 1973 में 14.25 एमएएफ की उपलब्धता के मुकाबले अब 19.6335 एमएएफ पानी उपलब्ध बताया जा रहा है। यदि यह आंकड़ा सही है तो इसकी वैज्ञानिक पड़ताल जरूरी है। पानी बढ़ा कैसे? वर्षा बढ़ी? जलग्रहण क्षेत्र बढ़ला? नदी के प्रवाह में परिवर्तन आया? कोई नया स्रोत गणना में जुड़ा? या ऐसे बहाव भी की उपलब्ध जल में जोड़ दिया गया जिसे सिंचाई के लिए नियंत्रित करना संभव नहीं?

यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि पानी का हर आंकड़ा खेत का पानी नहीं होता। इंदपुरी बैराज पर एससीएडिए जैसी प्रणालियों से आने वाले प्रवाह के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं, लेकिन नदी में किसी समय आया पूरा पानी सिंचाई योग्य पानी नहीं बन जाता। तेज बाढ़ के दौरान आया बहाव, अनियंत्रित अतिरिक्त प्रवाह या ऐसी मात्रा जिसे बैराज और नहर प्रणाली संभाल न सके, उसका हिसाब अलग होना चाहिए। सुधाकर सिंह के पत्र में ‘अनमेंज्ड सरप्लस डिस्चार्ज’ को इसी दृष्टि से अलग करने की मांग की गई है।

यह तकनीकी शब्दावली सुनने में भले इंजीनियरिंग की लगे, लेकिन इसका असर किसान की जमीन पर पड़ता है। अगर ऐसा पानी भी नियमित सिंचाई योग्य उपलब्धता में जोड़ दिया गया जो वास्तव में खेत तक पहुंच ही नहीं सकता, तो



कागज पर पानी बढ़ेगा और खेत की प्यास वहीं रहेगी। इसलिए असली सवाल यह नहीं है कि पानी का आंकड़ा किसने दिया। सवाल यह है कि उस आंकड़े में पानी की परिभाषा क्या है। 1973 में सोन जल बंटवारे की व्यवस्था बनी थी। उस समय मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच कुल 14.25 एमएएफ पानी का प्रावधान था और अविभाजित बिहार का हिस्सा 7.75 एमएएफ था। आज उसी हिस्से का बिहार और झारखंड के बीच पुनर्विन्‍यास हुआ है। लेकिन 1973 की परिस्थितियां और 2026 की परिस्थितियां एक जैसी नहीं हैं।

आबादी बढ़ी है। सिंचाई की जरूरत बढ़ी है। शहरों और उद्योगों की पानी की मांग बढ़ी है। ऊर्जा क्षेत्र की नई जरूरतें सामने हैं। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा का स्वभाव बदला है। कम समय में बहुत अधिक बारिश और लंबे समय तक सूखा—दोनों स्थितियां अब जल प्रबंधन को चुनौती दे रही हैं। ऐसे में पुराने आंकड़े को बिना पुनर्मूल्यांकन के स्थायी सत्य मानना ठीक नहीं, लेकिन नए आंकड़े को बिना स्वतंत्र वैज्ञानिक जांच के अंतिम सत्य मान लेना भी उतना ही खतरनाक है। सोन का पानी कई राज्यों और कई समाजों से जुड़ा है। बिहार के लिए यह रेहताश, कैम्पूर, भोजपुर, बक्सर, औरंगाबाद, अरवल, गया और आसपास के इलाकों की कृषि का सवाल है। सोन नहर प्रणाली ने इस इलाके की खेती को दशकों तक सहारा दिया है। लेकिन नहर तक पानी पहुंचना और नहर की टेल तक पानी पहुंचना दो अलग बातें हैं। किसान को सरकारी घोषणा नहीं, खेत की मेड़ पर पानी चाहिए।

इसलिए नए समझौते की सफलता का पैमाना यह नहीं हो सकता कि बिहार को 5.75 एमएएफ और झारखंड को 2 एमएएफ मिल गया। असली सवाल यह है कि इनमें से

कितना पानी वास्तव में इस्तेमाल हुआ और कितना खेत तक पहुंचा। यहीं एक स्वतंत्र सोन जल लेखा-परीक्षा की जरूरत है। सोन बेसिन में बारिश कितनी हुई, जलग्रहण क्षेत्र से कितना पानी आया, जलशायों में कितना जमा हुआ, इंदपुरी बैराज में कितना प्रवाह आया, कितना छोड़ा गया, नहरों में कितना गया और किसानों तक कितना पहुंचा—इन सभी आंकड़ों को एक साथ रखकर देखा जाना चाहिए। पानी का हिसाब केवल नदी के मुहाने पर नहीं, खेत की मेड़ पर भी होना चाहिए।

यह डेटा सार्वजनिक होना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, जल विशेषज्ञों, किसान संगठनों और प्रभावित इलाकों के प्रतिनिधियों को उसे देखने और जांचने का अधिकार होना चाहिए। पानी के बंटवारे का भरोसा तभी बनेगा जब पानी के आंकड़े भी सार्वजनिक भरोसे में होंगे। झारखंड के साथ न्याय की इसी पारदर्शिता से संभव है। झारखंड को अपने खेतों, गांवों और विकास के लिए पानी चाहिए। बिहार को भी चाहिए। दोनों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना आसान राजनीति है, लेकिन सही जल नीति नहीं। एक ही नदी के पानी पर दो राज्यों की जरूरतें हैं तो समाधान भी साझा वैज्ञानिक समझ पर होना चाहिए।

इसके साथ नदी का अपना हिस्सा भी बचाना होगा। नदी में बचा पानी बेकार पानी नहीं है। वह मछलियों, जलीय जीवों, भूजल पुनर्भरण और नदी की प्राकृतिक धारा के लिए जरूरी है। यदि उपलब्ध पानी का पूरा हिसाब केवल सिंचाई, उद्योग और ऊर्जा की जरूरत से होगा तो नदी के पर्यावरणीय प्रवाह का हिसाब कौन रखेगा? भविष्य की नई जल मांगों पर भी यही पारदर्शिता जरूरी है। सुधाकर सिंह के पत्र में उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित कुछ पन्ड-स्टोरज परियोजनाओं की जल जरूरतों का उल्लेख किया गया है। इन दावों की स्वतंत्र

तकनीकी जांच होनी चाहिए। किसी भी नई परियोजना को पानी देने से पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि उसका जल स्रोत क्या है, उसकी मांग पहले से तय हिस्सेदारी को कैसे प्रभावित करेगी और उसका असर कृषि तथा पर्यावरण पर कितना पड़ेगा। आखिर पानी कोई ऐसा संसाधन नहीं जिसे एक बार कागज पर बांट देने के बाद हमेशा के लिए खत्म मान लिया जाए। बारिश बदलती है, नदी बदलती है, जरूरतें बदलती हैं। इसलिए जल समझौते में केवल हिस्सेदारी नहीं, पुनर्मूल्यांकन, पारदर्शी निगरानी और कम प्रवाह की स्थिति में स्पष्ट नियम भी होने चाहिए।

और यही से सत्ता की जवाबदेही शुरू होती है। सरकारें समझौता कर सकती हैं। मंत्री घोषणा कर सकते हैं। अधिकारी आंकड़े जारी कर सकते हैं। लेकिन किसान के लिए इन सबका अर्थ तभी है जब नहर में पानी आए और खेत में फसल खड़ी हो।

इसलिए सरकारों को अब केवल यह नहीं बताना चाहिए कि बिहार को कितना पानी मिला और झारखंड को कितना। उन्हें यह भी बताना होगा कि सोन में उपलब्ध पानी की गणना किस वैज्ञानिक आधार पर हुई; 14.25 एमएएफ से 19.6335 एमएएफ तक पहुंचने का आधार क्या है; उसमें कितना पानी वास्तव में सिंचाई योग्य है; कितना पानी अनियंत्रित बहाव में चला जाता है; बिहार के हिस्से के 5.75 एमएएफ में से कितना पानी खेतों तक पहुंचता है और कितना रास्ते में छूट जाता है। अगर पानी उपलब्ध है तो खेत प्यासे क्यों हैं? अगर पानी उपलब्ध नहीं है तो उपलब्धता बढ़ने के आंकड़े किस आधार पर हैं? और अगर सिंचाई परियोजनाएं पानी की प्रतीक्षा कर रही हैं तो वर्षों से इसकी जिम्मेदारी किसकी है?

यह सवाल केवल अधिकारियों से नहीं, सरकार से है। क्योंकि सत्ता का काम सिर्फ समझौते करना नहीं, उसके परिणाम की जिम्मेदारी लेना भी है। नदी को आंकड़ों में मापना आसान है, किसान की प्यास को मापना कठिन। लेकिन लोकतंत्र में कठिन सवालों से बचकर आसान आंकड़ों के पीछे छिप जाना जवाबदेही नहीं है।

नदी किसी सरकार की निजी संपत्ति नहीं है। वह किसानों, गांवों, शहरों, जंगलों, जीव-जंतुओं और आने वाली पीढ़ियों की साझा प्राकृतिक धरोहर है। इसलिए सरकारों को पानी का हिसाब जनता के सामने रखना होगा—कितना आया, कितना बाटा, कितना इस्तेमाल हुआ, कितना खेत तक पहुंचा, कितना बह गया और जहां पानी नहीं पहुंचा, वहां जिम्मेदार कौन है।

समझौते पर हस्ताक्षर करना सत्ता की उपलब्ध हो सकती है, लेकिन किसान के खेत तक पानी पहुंचाना उसकी जवाबदेही है। सोन के पानी का असली फैसला दिल्ली या पटना की मेज पर नहीं, खेत की मेड़ पर होगा। वहां अगर किसान अब भी बारिश की ओर देख रहा है तो समझौते की स्थाई चाहे जितनी गहरी हो, उसका अर्थ अप्रुा है। सोन में पानी बढ़ा तो बिहार के खेत अब भी प्यासे क्यों हैं?इस सवाल का जवाब अब सरकारों को देना होगा—आंकड़ों से नहीं, पानी से; दावों से नहीं, खेतों से। क्योंकि सहकारी संघवाद की असली परीक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करते समय नहीं, पानी खेत की मेड़तक पहुंचते समय होती है।

हूती हमलों व अमेरिका-ईरान युद्ध का तेल पर महाविस्फोट

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का ऊर्जा बाजार सितंबर 2026 में एक ऐसे दौर से गुजर रहा है,जिसमें तेल की आपूर्ति के कई महत्वपूर्ण रास्तों पर एक साथ दबाव बन गया है।अमेरिका- ईरान संघर्ष के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बेहद कम हो गई है,लाल सागर और बाब अल-मंदेब क्षेत्र में हूती हमलों ने समुद्री परिवहन को जोखिम में डाल दिया है और अब सऊदी अरब की लगभग 1,200 किलोमीटर लंबी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन भी ड्रेन हमलों के बाद अरथयाही रूप से बंद कर दी गई है। यह पाइपलाइन सऊदी अरब के पूर्वी तेल क्षेत्रों को लाल सागर के यानबू बंदरगाह से जोड़ती है और प्रतिदिन लगभग 40-50 लाख बैरल तेल ले जाने की क्षमता रखती है।

किशन सनमुखदास भावनांनी

मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि इस घटनाक्रम की गंभीरता इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि होर्मुज स्वयं दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा समुद्री मार्गों में से एक है। सामान्य परिस्थितियों में इसके जरिए विश्व के लगभग पांचवें हिस्से के तेल और एलएनजी का परिवहन होता है,लेकिन 17 सितंबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को होर्मुज से केवल तीन कमांडिटी वैसेल्स गुजरे, जबकि 10-दिन का औसत करीब 17 था।इसका अर्थ यह नहीं है कि वैश्विक तेल आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई है,परंतु सामान्य रूप से खुला तेल मार्ग कहना मुश्किल है लेकिन यह अवश्य बताता है कि युद्ध ने ऊर्जा परिवहन की सामान्य व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

इसी के समानांतर बाब अल-मंदेब भी महत्वपूर्ण हो गया है।लाल सागर से होकर यूरोप और एशिया के बीच जाने वाले जहाजों के लिए यहरणनीतिक समुद्री मार्ग है।आज 17 सितंबर 2026 को उपनव्य ताजा बाजार आंकड़ों में ब्रेट क्रूड लगभग 104 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूआई लगभग 101 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था; यानी कीमतें 100 डॉलर से ऊपर बनी हुई हैं।हूती हमलों और क्षेत्रीय सैन्य तनाव के कारण जहाजरानी कंपनियों को जोखिम, बीमा लागत और वैकल्पिक मार्गों की

समस्या का सामना करना पड़ रहा है।ऐसे वातावरण में सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन का बंद होना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पाइपलाइन होर्मुज से बचकर सऊदी तेल को लाल सागर तक पहुंचाने वाला प्रमुख वैकल्पिक मार्ग रही है।वैश्विक तेल संकट के बीच भारत सरकार ने 16 सितंबर से पेट्रोले,डीजल और एटीएफ के निर्यात पर लेवी घटाई है; हालांकि इसका घरेलू पेट्रोले- डीजल की खुदरा कीमतों पर सीधा असर नहीं है। साथियों सऊदी अरब से सामने आए तेल उत्पादन के आंकड़े भी चिंता बढ़ाते हैं। ओपेक को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार अगस्त में सऊदी अरब का कच्चे तेल का उत्पादन लगभग 62.4 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो जुलाई के लगभग 81 लाख बैरल प्रतिदिन से करीब 19 लाख बैरल प्रतिदिन कम था।यह 1990 के बाद का सबसे निचला मासिक उत्पादन स्तर बताया गया है।हालांकि उत्पादन और बाजार में वास्तविक आपूर्ति अलग- अलग अवधारणाएं हैं;इसलिए इन आंकड़ों को सीधे वैश्विक उपलब्ध तेल में उतनी ही मात्रा की कमी के रूप में नहीं पढ़ना चाहिए।एबसे बड़ा सवाल अब सऊदी अरब के निर्यात भंडार और पाइपलाइन की बहाली को लेकर है।

रॉयटर्स के अनुसार, यदि ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन शीघ्र चालू नहीं होती तो सऊदी अरब के पास यानबू क्षेत्र में उपलब्ध निर्यात योग्य तेल का स्टॉक केवल लगभग पांच से सात दिनों के लिए

पर्याप्त रह सकता है और लंबे व्यवधान की स्थिति में वैश्विक आपूर्ति का लगभग 4 प्रतिशत तक हिस्सा प्रभावित होने का जोखिम है।यह एक संभावित जोखिम का आकलन है, तत्काल 4 प्रतिशत की वास्तविक कमी नहीं।

साथियों तेल बाजार ने इस जोखिम पर तत्काल प्रतिक्रिया भी दिखाई।15 सितंबर को यानबू से तेल लदान रुकने और यूरोप के लिए कुछ शिपमेंट रद्द होने की खबरों के बीच ब्रेट लगभग 108.75 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूआईआई करीब 105.83 डॉलर पर बंद हुआ।हालांकि अगले दिन सऊदी अरब द्वारा ओमान के सोहार बंदरगाह के जरिए वैकल्पिक शिपमेंट बढ़ाने की खबर आने पर कीमतों में कुछ नरमी आई और 16 सितंबर को ब्रेट करीब 105.83 डॉलर तथा डब्ल्यूआईआई करीब 102.43 डॉलर पर बंद हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि बाजार केवल युद्ध की खबर पर नहीं, बल्कि वैकल्पिक आपूर्ति उपलब्ध होने की संभावना पर भी तेजी से प्रतिक्रिया कर रहा है।

यही कारण है कि 120 डॉलर प्रति बैरल का स्तर अभी एक संभावित जोखिम या बाजार- चर्चा का विषय है,निश्चित भविष्यवाणी नहीं। यदि होर्मुज में व्यवधान लंबा चलता है, बाब अल-मंदेब क्षेत्र में हमले बढ़ते हैं और सऊदी पाइपलाइन की मरम्मत में लंबा समय लगता है, तो उपलब्ध वैश्विक आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है। इसके विपरीत, यदि वैकल्पिक समुद्री मार्ग सक्रिय रहते हैं, सऊदी

पाइपलाइन जल्दी बहाल होती है या अतिरिक्त उत्पादन बाजार में आता है, तो दबाव सीमित भी रह सकता है। साथियों,इस संकट का असर केवल कच्चे तेल की कीमत तक सीमित नहीं है।महंगा क्रूड परिवहन,पेट्रोले-डीजल, विमान ईंधन, पेट्रोकेमिकल, प्लास्टिक,ऊर्वक और बिजली उत्पादन जैसी अनेक गतिविधियों की लागत बढ़ा सकता है।तेल आयात पर अत्यधिक निर्भर देशों में इसका असर चालू खाते,मुद्रा विनिमय दर, सरकारी सब्सिडी और महंगाई पर पड़ सकता है। पहले से ऊंची ऊर्जा लागत के बीच यदि डीजल और जेत फ्यूल की उपलब्धता भी प्रभावित होती है, तो वैश्विक सप्लाई चैन पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है।विभिन्न देशों में इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव भी अलग-अलग दिखाई दे सकते हैं। जहां सरकारें ईंधन कीमतों को नियंत्रित करने या सब्सिडी देने की स्थिति में हैं, वहां तत्काल उपभोक्ता प्रभाव कुछ समय के लिए सीमित किया जा सकता है, लेकिन राजकोषीय बोझ बढ़ेगा।

जिन देशों के पास सीमित विदेशी मुद्रा भंडार और कम रणनीतिक तेल भंडार है, उनके लिए महंगा तेल आयात अधिक कठिन हो सकता है। इसलिए पाकिस्तान, बांग्लादेश, लंका जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए वैश्विक तेल कीमतों का लंबा उछाल विशेष चुनौती बन सकता है। अलग-अलग देशों में विरोध-प्रदर्शन की खबरें भी सामने आई हैं, लेकिन उनके कारण और स्थानीय परिस्थितियां सटिका से

अलग-अलग हैं। साथियों भारत के लिए तस्वीर अपेक्षाकृत अलग है, लेकिन जोखिम समान नहीं हुआ है।भारत दुनियाँ के बड़े तेल आयातकों में है,इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रूड कीमतों और समुद्री मालभाड़े में लंबे समय तक वृद्धि का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।दूसरी ओर भारत के पास विविध आयात स्रोत रणनीतिक पेट्रोलेियम भंडार, घरेलू रिफाइनरिंग क्षमता और बड़ी सरकारी तेल कंपनियों का नेटवर्क है, जो अचानक आए बाहरी झटके को कुछ हद तक एबसोर्व करने में मदद कर सकते हैं।फिर भी यदि 100-120 डॉलर के आसपास तेल लंबे समय तक बना रहता है तो महंगाई, व्यापार घाटे और रुपये पर दबाव जैसे प्रभावों की निगरानी सटीकता से महत्वपूर्ण होगी। साथियों, दिलचस्प बात यह है कि संकट के बीच सऊदी अरब वैकल्पिक रास्ते तलाश रहा है।

16 सितंबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के अनुसार सऊदी अरब ने ओमान के सोहार बंदरगाह के पास शिप-टू-शिप ट्रांसफर्स के जरिए एशियाई खरीदारों को कच्चा तेल उपलब्ध करने की कोशिश बढ़ाई है।साथ ही खाड़ी के भीतर स्थित रासतनुरा और जुयैमाह बंदरगाहों से लदान भी बढ़ा है। इससे संकेत मिलता है कि सऊदी अरब और बाजार के अन्य खिलाड़ी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हैं, बल्कि आपूर्ति को वैकल्पिक मार्गों से बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा वैश्विक सबक ऊर्जा सुरक्षा है।

सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान के द्वितीय चरण का भव्य शुभारंभ, मेडिकल कॉलेज के 31 विद्यार्थियों का प्रवेश उत्सव

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने और जिले को स्वस्थ, निरोग एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से ‘सशक्त MCB सेवा संकल्प अभियान 2026’ के द्वितीय चरण का शुभारंभ उत्साहपूर्ण एवं गरिमायुग वातावरण में किया गया। इसी अवसर पर शासकीय मेडिकल कॉलेज मनेन्द्राढ़ के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं का प्रवेश उत्सव भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा की नई शुरुआत, स्वास्थ्य सेवा और जनसेवा के संकल्प का संगम देखने को मिला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रहे इस अवसर पर राज्य योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, महापौर रामनेश राय, नगर पालिका परिषद मनेन्द्राढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवती सिंह, पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले, कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े, जिला पंचायत सीईओ अँक्ता सोम, सीएमएचओ डॉ.



अविनाश खरे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, चिकित्सक, मेडिकल कॉलेज के प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल सहित अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया दीप प्रज्वलन के साथ जिले के प्रत्येक नागरिक तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जनभागीदारी

के माध्यम से स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया 31 विद्यार्थियों ने शुरू की चिकित्सा शिक्षा की नई यात्रा कार्यक्रम में शासकीय मेडिकल कॉलेज मनेन्द्राढ़ के प्रथम वर्ष के कुल 31 छात्र-छात्राओं का प्रवेश उत्सव आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को लैब कोट, स्ट्रेथोस्कोप, पेन एवं यंत्रों प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में नीरज निवासी रायगढ़, आशिषोष बेहेरा मनेन्द्राढ़-चिरमिरी-भतपुर, गैशन कुमार बर्मन जांजगीर-चांपा, आदर्श पाण्डेय गौँस्ता-पेंडू-मरवाही, यश कुमार देवांगन रायपुर, आकाश प्रधान सरगुजा, राहुल वारिनक खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, संदीप गुप्ता जशपुर, नंदर सिंह गौँस्ता-पेंडू-मरवाही, दक्ष यादव बिलासपुर, आदर्श जटवारा बिलासपुर, जीवन कुमार महासमुंद, आर्या गुप्ता सूरजपुर, साहिल कुमार

साहू,दीर्ग, पीयूष कुमार गुप्ता बलरामपुर, नीरज वर्मा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, विपुल उथरा बिलासपुर, सा कुसुमाहा सूरजपुर, कुमारी सुप्रिया बिलासपुर, अनामिका भारती बिलासपुर, फैजा जाबिन रायपुर, अदिति गजवाड़े सरगुजा, अमिता बबेल सरगुजा, रानी सिंह सरगुजा, निधी चेलक महासमुंद, श्रेया पैकरा सरगुजा, प्रिया पैकरा कोरिया, निशी गुप्ता गौँस्ता-पेंडू-मरवाही, पलकवास्ताव बिलासपुर, रीतिका चंद्रा कोरबा एवं मधु मनेन्द्राढ़-चिरमिरी-भतपुर शामिल हैं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए यह अवसर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक रहा। मेडिकल कॉलेज के माध्यम से जिले में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ है मेडिकल कॉलेज से नर्सिंग, पॉलिटैक्निक और हॉस्पिटल कॉलेज तक शिक्षा का विस्तार स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने अपने संबोधन में जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि एमसीबी जिले में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार नए अवसर विकसित हो रहे हैं मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटैक्निक कॉलेज और हॉस्पिटल कॉलेज जैसी संस्थाएं युवाओं के लिए उच्च शिक्षा और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं उन्होंने जिले की प्रकृतिक एवं ऐतिहासिक पहचान का उल्लेख करते हुए गोंडवाना पॉसिल्स पार्क, प्राचीन झील से निर्मित रेलवे ब्रिज, कोयलांचल क्षेत्र चिरमिरी और अमरुधारा जलप्रपात जैसे सुंदरता की चर्चा की उन्होंने कहा कि एमसीबी की पहचान प्राकृतिक संपदा, खनिज संसाधनों के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन के क्षेत्र में भी बन रही है आयुधान कार्ड और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिली 20 हजार रुपये की सहायता ने दी बड़ी राहत योजना के तहत मंगली को मजदूरी की क्षतिपूर्ति स्वरूप 20,000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई यह आर्थिक मदद उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण

पक्की छत ने बदली जिंदगी की तस्वीर, सरस्वती राय के परिवार का सपना हुआ साकार



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। कभी अपने पक्के घर की कल्पना करने वाला सरस्वती राय का परिवार आज उस सपने को हकीकत में बदलते हुए एक नई उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहा है ग्राम चनवारीडंड, जिला एमसीबी, छत्तीसगढ़ निवासी सरस्वती राय, पति संतोष राय को वित्तीय वर्ष 2024-25 में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के

अंतर्गत 1 लाख 20 हजार रुपये की आवास स्वीकृति मिली शासन की इस सहायता ने परिवार के लिए पक्के और सुरक्षित आशियाने की राह आसान की और वर्षों से संजोए सपने को पूरा करने का अवसर दिया एक सपना, जिसे मिला सरकारी योजना का सहारा ग्रामीण परिवार के लिए अपना पक्का मकान केवल एक जरूरत नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की महत्वपूर्ण आधारशिला होता है सरस्वती राय के परिवार के लिए भी पक्के घर की चाह लंबे समय से मन में थी सीमित संसाधनों के बीच अपने स्तर पर पक्का मकान तैयार करना आसान नहीं था ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत मिली स्वीकृति परिवार के लिए

उम्मीद की मजबूत किरण बनकर आई। 1 लाख 20 हजार रुपये की स्वीकृति राशि ने परिवार को अपने आवास के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने का संबल दिया आवास की सुविधा से परिवार के जीवन में स्थायित्व और सुख्हा की नई उम्मीद जुड़ी है सरस्वती राय के परिवार के लिए यह आवास सिर्फ दीवारों और छत से बना एक मकान नहीं है बल्कि परिवार के सुरक्षित भविष्य का आधार है पक्के घर के साथ मौसम की परेशानियों से सुरक्षा, परिवार के लिए बेहतर वातावरण और अपने घर होने का आत्मविश्वास जुड़ा है वर्षों से मन में बसे अपने आशियाने के सपने को साकार होते देख परिवार के चेहरे पर खुशी और संतोष की झलक है प्रधानमंत्री आवास योजना

(ग्रामीण) के माध्यम से मिली सहायता ने सरस्वती राय और उनके परिवार को अपने जीवन की परिस्थितियों को बेहतर बनाने का अवसर दिया है। यह बदलाव इस बात को दर्शाता है कि जब शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचता है तो वह उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनता है सरस्वती राय कहती हैं कि अपने परिवार के लिए पक्का घर होना हमारे लिए बहुत बड़ा सपना था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत हमें 1 लाख 20 हजार रुपये की स्वीकृति मिली, जिससे हमारा यह सपना पूरा होने की राह आसान हुई पक्का घर हमारे परिवार के लिए सुरक्षा और सम्मान का आधार है।

शिवपुरी में ITBP जवान नीरज शर्मा को अंतिम विदाई, गूंजे भारत माता के जयकारे

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के भौंती करबे में शुक्रवार को ITBP जवान नीरज शर्मा का अंतिम संस्कार पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया ITBP के दल के साथ उनका पार्थिव शरीर भौंती पहुंचा, जहां अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े अंतिम यात्रा के दौरान भारत माता के जयकारों और देशभक्ति गीतों से करम्बा गुंज उठा ITBP जवानों ने नीरज शर्मा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद उनके छोटे भाई प्रदीप शर्मा ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में प्रशासनिक अधिकारी, पुलिसकर्मी, ITBP जवान और स्थानीय लोग मौजूद रहे नीरज शर्मा वर्ष 2007 में



ITBP में आरक्षक जीडी के पद पर भर्ती हुए थे और करीब 19 वर्षों से सेवाएं दे रहे थे पिछले एक साल से उनकी तैनाती लेह-लद्दाख में थी 14 सितंबर को छुट्टी समाप्त होने के बाद वे झुट्टी के लिए रवाना हुए थे। दिल्ली स्थित ITBP मुख्यालय में उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद 16 सितंबर को निधन हो गया उनके परिवार में पत्नी और 16 वर्षीय बेटी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बड़कू साहू के परिवार को दिया पक्का आशियाना, मिट्टी के घर से खुशहाल जीवन तक पहुँची नई कहानी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत ग्राम पंचायत चैनपुर, विकासखंड मनेन्द्राढ़, जिला एमसीबी छत्तीसगढ़ निवासी बड़कू साहू, पिता चासीराम साहू, को पक्के आवास का लाभ मिला है कभी मिट्टी के कच्चे मकान में जीवन गुजारने वाले बड़कू साहू और उनके परिवार के लिए पक्के घर का सपना लंबे समय से अधूरा था। कच्चे मकान में रहने के दौरान विशेषकर बारिश के दिनों में परिवार को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। छत से पानी टपकने, दीवारों के खराब होने और मकान की असुरक्षित स्थिति के कारण परिवार के मन में हमेशा चिंता बनी रहती थी आर्थिक परिस्थितियों के कारण पक्का मकान बनाना आसान नहीं था। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना



(ग्रामीण) उनके परिवार के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बड़कू साहू को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्के आवास की स्वीकृति मिली। योजना का लाभ मिलने के बाद उनके परिवार के वर्षों पुराने सपने को पंख मिले और नवनिर्मित पक्के आवास का निर्माण पूर्ण हुआ 11 सितंबर 2026 को बड़कू साहू के परिवार ने अपने नए पक्के मकान में गृह प्रवेश किया यह दिन उनके परिवार के लिए बेहद खास और भावुक कर

देने वाला रहा क्योंकि जिस पक्के आशियाने की उम्मीद उन्होंने वर्षों से संजोकर रखी थी, वह अब हकीकत बन चुका था नए घर में गृह प्रवेश के साथ ही परिवार के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई पक्का आवास मिलने से बड़कू साहू के परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव आया है अब बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने की चिंता नहीं रहती और नए कच्चे मकान में रहने के बाद भी पक्का घर हमारे लिए सिर्फ एक मकान नहीं बल्कि नई जिंदगी की शुरुआत है।

वातावरण प्रदान कर रहा है यह आवास उनके लिए केवल ईंट, सीमेंट और दीवारों से बना मकान नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्थायित्व और बेहतर भविष्य की मजबूत नींव है। बड़कू साहू की पत्नी मती राधिका साहू ग्राम पंचायत चैनपुर में कचरा कलेक्शन का कार्य करते हुए परिवार के साथ अपने नए घर में खुशहाल जीवन व्यतीत कर रही हैं पक्के आवास ने परिवार के जीवन में नई खुशियां और आत्मविश्वास लाने का काम किया है बड़कू साहू कहते हैं कि पहले कच्चे मकान में बारिश के दिनों में काफी परेशानी होती थी और छत से पानी टपकने की चिंता बनी रहती थी प्रधानमंत्री आवास योजना से हमारा पक्का घर बन गया है अब हमारा परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है पक्का घर हमारे लिए सिर्फ एक मकान नहीं बल्कि नई जिंदगी की शुरुआत है।

पांच लाख दीयों से रोशन हुआ मनेन्द्रगढ़, सेवा संकल्प का भव्य आगाज

सरोवर तालाब में दिखा अद्भुत नजारा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की मौजूदगी में उमड़ा जनसैलाब

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने और जनमदित के अवसर पर मनेन्द्राढ़ ने सेवा, संकल्प और जनभागीदारी का भव्य संदेश दिया गुस्वार की शाम वार्ड क्रमांक-8 स्थित सरोवर तालाब का नजारा देखते ही बन रहा था। सेवा संकल्प अभियान-2026 के जिला स्तरीय शुभारंभ के अवसर पर पांच लाख से अधिक दीयों के प्रज्वलन से पूरा मनेन्द्राढ़ रोशनी से नहा उठा। सरोवर तालाब के चारों ओर जगमगाते दीप और पानी में बन रहे उमड़े झिलमिलते प्रतिबिंब ने ऐसा अद्भुत दृश्य रचा कि हर किसी की नजरें टकर



गई सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के संदेश के साथ आयोजित इस भव्य दीपोत्सव में मनेन्द्राढ़ ही नहीं, बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे पूरा परिसर दीपों की रोशनी, उत्साह और उल्लास से सरोवर नजर आया

हजारों नागरिकों ने इस ऐतिहासिक और मनोहारी दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम



बिहारी जायसवाल रहे इस अवसर पर राज्य योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, महापौर रामनेश राय, नगर पालिका परिषद मनेन्द्राढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेष्ट पट्टवा, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवती सिंह, पूर्व संसदीय सचिव

चंपादेवी पावले, जनपद अध्यक्ष जानकी बाई खुसरो, कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, जिला पंचायत सीईओ अँक्ता सोम सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल

एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर ‘सेवा संकल्प अभियान-2026’ और जिला स्तरीय दीपोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय गीत ‘वन्दे मातरम्’ का वाचन किया गया। दीपों की रोशनी के बीच देशसेवा, जनसेवा और जनभागीदारी का संदेश पूरे वातावरण में गुंजता रहा सरोवर तालाब के चारों ओर सजे पांच लाख से अधिक दीप केवल रोशनी का माध्यम नहीं रहे बल्कि सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के प्रतीक एवं एक साथ प्रज्वलित हुए असंख्य दीपों ने पूरे परिसर को आलोकित कर दिया।

गर्भावस्था में सरकार का मिला साथ, 20 हजार रुपए की सहायता से मंगली के चेहरे पर लौटी राहत की मुस्कान

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम पंचायत खड़गावां निवासी मंगली मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं परिवार की किमोदारियों के बीच गर्भावस्था का समय उनके लिए खुशी के साथ-साथ आर्थिक चिंता भी लेकर आया था उन्हें चिंता थी कि गर्भावस्था के दौरान जब वे मजदूरी नहीं कर पाएंगी, तब परिवार का खर्च कैसे चलेगा। ऐसे कठिन समय में श्रम विभाग की मिनीमाता योजना उनके लिए सहारा बनकर सामने आई मंगली बताती हैं कि गर्भावस्था के दौरान उनके मन में सबसे बड़ी चिंता यही थी कि काम नहीं कर पाने की स्थिति में घर की जरूरतें कैसे पूरी होंगी। मजदूरी ही परिवार की आय का मुख्य साधन होने के कारण कुछ समय काम से दूर रहना उनके लिए आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण था इसी दौरान उन्हें श्रम विभाग की मिनीमाता योजना की जानकारी मिली 20 हजार रुपये की सहायता ने दी बड़ी राहत योजना के तहत मंगली को मजदूरी की क्षतिपूर्ति स्वरूप 20,000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई यह आर्थिक मदद उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण



साबित हुई। सहायता राशि मिलने से उन्हें परिवार की जरूरतों को पूरा करने में राहत मिली और गर्भावस्था के दौरान आर्थिक परेशानी को लेकर बनी चिंता भी काफी कम हुई मिनीमाता योजना से मिली सहायता ने मंगली के जीवन में आर्थिक संबल के साथ मानसिक राहत भी पहुंचाई है अब वे अपने वाले बच्चे को लेकर पहले की तुलना में अधिक निश्चित हैं उनके लिए यह सहायता केवल आर्थिक मदद नहीं बल्कि कठिन समय में सरकार की ओर से मिला भरोसा है मंगली ने योजना का लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं श्रम विभाग के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता ने उन्हें बहुत राहत दी है उन्होंने कहा कि इस मदद से मुझे काफी राहत मिली मैं इस योजना के लिए सरकार तथा श्रम विभाग का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ।

ईवीएम-वीवीपेट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण 23 सितंबर को राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दोपहर 12 बजे खोला जाएगा वेयरहाउस

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में ईवीएम एवं वीवीपेट मशीनों के सुस्थित भंडारण के लिए बनाए गए वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया जाएगा उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार सिद्धा द्वारा जारी सूचना के अनुसार माह सितंबर 2026 का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण 23 सितंबर 2026, बुधवार को दोपहर 12 बजे किया जाएगा जारी सूचना में बताया गया है कि निर्वाचन आयोग के Manual on Electronic Voting Machine and VVPATS Edition-8, अगस्त 2023 के कॉडिका 1.3.6 के बिंदु 01 के अनुसार जिला अंतर्गत ईवीएम/वीवीपेट वेयरहाउस का आंतरिक त्रैमासिक निरीक्षण किया जाना निर्धारित है निर्धारित तिथि

एवं समय पर निरीक्षण की कार्यवाही के लिए वेयरहाउस खोला जाएगा तथा निरीक्षण की कार्यवाही पूर्ण होने के उपरंत नियमानुसार बंद किया जाएगा त्रैमासिक निरीक्षण की कार्यवाही के दौरान जिले में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सूचना जारी की गई है। संबंधित राजनीतिक दल निर्धारित तिथि एवं समय पर स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित रह सकते हैं जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा संबंधित राजनीतिक दलों से निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर त्रैमासिक निरीक्षण की कार्यवाही में सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है सूचना कलेक्टर द्वारा अनुमोदित है।

कांत पांडे ने बढ़ाया जिले का मान, पैरा जुडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला शहीद विक्रम पुरस्कार’

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्राढ़ के प्रतिभावान पैरा जुडो खिलाड़ी कांत पांडे ने खेल जगत में जिले का नाम रोशन किया है पैरा जुडो में लगातार पांच वर्षों से उत्कृष्ट प्रदर्शन और उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा उन्हें 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रेषित ‘शहीद विक्रम पुरस्कार’ से सम्मानित किया गया कांत पांडे की इस उपलब्धि पर आज उन्होंने कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े से मुलाकात की कलेक्टर ने उनकी खेल प्रतिभा निरंतर मेहनत और उपलब्धियों की सरहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं उन्होंने कहा कि जिले के युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जिले की पहचान मजबूत कर रहे हैं। कांत पांडे की उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है कांत पांडे ने पैरा जुडो में पिछले पांच वर्षों से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है खेल के प्रति समर्पण, नियमित अभ्यास और निरंतर मेहनत के परिणामस्वरूप

उन्हें खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा शहीद विक्रम पुरस्कार प्रदान किया गया और इसके साथ ही उन्हें 25 हजार रुपये का चेक भी प्रदान किया गया यह सम्मान उनकी खेल यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में जुड़ा है कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े ने कांत पांडे को सम्मानित करते हुए उन्हें ट्रैक शूट एवं मोमेंटो प्रदान किया कलेक्टर ने कांत को भविष्य में भी इसी लगन और मेहनत के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया कांत पांडे ने कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े द्वारा दिए गए सम्मान और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि जिले के प्रशासन से मिला यह सम्मान और प्रोत्साहन उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा कांत पांडे की उपलब्धि यह संदेश देती है कि निरंतर अभ्यास, दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है पैरा जुडो में लगातार पांच वर्षों तक उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शहीद विक्रम पुरस्कार हासिल करना मनेन्द्राढ़-चिरमिरी-भतपुर जिले के लिए गौरव का विषय है।

तलाक की तारीख पर कोर्ट के बाहर पति-पत्नी में मारपीट, पति जेल भेजा

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। न्यायालय परिसर के बाहर शुक्रवार को तलाक की सुनवाई की तारीख पर पहुंचे पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया मौके पर मौजूद पुलिसकर्मीयों ने पति रूप सिंह कुसुमाहा को पकड़कर कोतवाली पहुंचाया। बाद में पुलिस ने उसे जेल भेज दिया फतेहपुर निवासी रूप सिंह और उनकी पत्नी लता कुसुमाहा के बीच तलाक का मामला न्यायालय में चल रहा है शुक्रवार को दोनों सुनवाई के लिए कोर्ट पहुंचे थे। आमना-सामना

होने पर दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ आरोप है कि रूप सिंह ने पत्नी के साथ मारपीट की रूप सिंह की मां के अनुसार लता कुछ समय पहले घर छोड़कर दूसरे व्यक्ति के साथ रहने लगी थी उनकी चार बेटियां भी लता के साथ रह रही हैं रूप सिंह अपनी बेटियों को अपने पास रखना चाहता है इसी मुद्दे को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था पुलिस ने लता की शिकायत पर रूप सिंह के खिलाफ एनसीआर दर्ज की। शांति भंग के मामले में भी कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

सागर में मारपीट व हत्या का आरोपी गिरफ्तार



दो माह से चल रहा था फरार, लोकेशन मिलते ही पकड़ा, दो वारंटी भी धराए

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के देवरी थाना पुलिस ने हत्या और मारपीट के मामले में करीब दो महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की तलाश के दौरान पुलिस ने दो वारंटियों को भी पकड़ा। तीनों आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ की गई, जिसके बाद न्यायालय में पेश किया गया।

लोकेशन मिलते ही पुलिस ने दबिश दी: पुलिस के अनुसार देवरी थाने में दर्ज हत्या और मारपीट के मामले में शरद पिता मंहेश यादव (25) फरार था। पिछले करीब दो महीने से पुलिस उसकी तलाश में अलग-अलग जगह दबिश दे रही थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा था। गुरुवार को मुखबिर से आरोपी की लोकेशन मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दबिश देकर शरद यादव को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे थाने लाकर पूछताछ की गई।

दो वारंटी भी गिरफ्तार: पुलिस ने कारवाई के दौरान स्थायी वारंटी नीलेश उर्फ मन्नू पिता राजाराम रैकवार (26), निवासी शंकरगढ़ को भी गिरफ्तार किया। वहीं कोर्ट से जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर सतीश पिता संत रैकवार, निवासी मोकलपुर को भी पकड़ा गया। देवरी थाना प्रभारी हरिराम मानकर ने बताया कि हत्या के मामले में फरार आरोपी समेत दो वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को थाने में पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया गया।

मंदसौर में कार की डिकी ले



60 किलो डेडाचूरा जब्त

ब्रेजा कार से ले जा रहे थे 2 आरोपी, गिरफ्तार, 3 कट्टों में भरकर रखा था

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के अफजलपुर थाना पुलिस ने डेडाचूरा तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 60 किलो 100 ग्राम डेडाचूरा और तस्करी में इस्तेमाल की गई सफेद रंग की ब्रेजा कार जब्त की गई। डेडाचूरा की कीमत करीब 1.20 लाख रुपए और कार की कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई गई है।

मुखबिर की सूचना पर नाकाबंदी: पुलिस को गुरुवार को सूचना मिली थी कि सफेद रंग की ब्रेजा कार (GJ08CC2439) में दो लोग डेडाचूरा लेकर डिगांव होते हुए सीतामऊ की तरफ जाने वाले हैं। थाना प्रभारी विकास गहलोत ने टीम बनाकर कमालपुरा फंटा, ग्राम बिलात्री में नाकाबंदी कराई। कुछ देर बाद सूचना में बताई गई कार वहां पहुंची। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो चालकर कार को कमालपुरा की तरफ मोड़ने लगा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार रोक ली और तलाशी ली। डिकी में मिले डेडाचूरा से भरे 3 कट्टे कार की डिकी में तीन काले रंग के कट्टे मिले। इनमें कुल 60 किलो 100 ग्राम डेडाचूरा भरा था। पुलिस ने कार सवार लखन पिता सुंदरलाल (25) निवासी निंबाखेड़ी, थाना दलोदा, जिला मंदसौर और अरविंद पिता राधाकिशन (25) निवासी काजली, थाना रठाजना, जिला प्रतापगढ़, राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ अफजलपुर थाने में धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों को रिमांड पर लिया है। कहां से लाए थे, किसे देना था: पूछताछ जारी थाना प्रभारी विकास गहलोत के मुताबिक, आरोपियों से पूछताछ की जा रही है कि डेडाचूरा कहाँ से लाया गया था और इसे किसे सप्लाई करने ले जाया जा रहा था। पुलिस मादक पदार्थ के स्रोत और इससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी भी जुटा रही है।

कम बारिश से तवाडेम खाली, भूजल रिचार्ज नहीं

पिछले साल से 11.1 इंच कम वर्षा, रबी फसल और गर्मी में पेयजल संकट की आशंका



हुई। पिछले साल जुलाई में छोड़ा था 55 हजार क्यूसेक पानी: पिछले साल तवा बांध में अच्छी आवक होने से 25 और 26 जुलाई को गेट खोले गए थे। 25 जुलाई को पहले 3 गेट 3-3 फीट खोले गए। शाम तक 5 गेट 7-7

● जिले में अब तक 30.9 इंच बारिश:

भू-संसाधन प्रबंधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में अब तक औसत 785.5 मिमी यानी करीब 30.9 इंच बारिश दर्ज हुई है। पिछले साल इसी अवधि तक 1282.9 मिमी यानी करीब 50.5 इंच बारिश हो चुकी थी। इस तरह पिछले साल के मुकाबले इस बार करीब 19.6 इंच कम बारिश हुई है। जिले की सामान्य औसत बारिश 1370.5 मिमी यानी करीब 54 इंच है।

● पिछले साल से 11.1 इंच कम:

इटारसी में इस साल अब तक 907.8 मिमी यानी करीब 35.7 इंच बारिश हुई है। पिछले साल इसी समय तक 1189.4 मिमी यानी करीब 46.8 इंच बारिश दर्ज हुई थी। यानी इस बार करीब 11.1 इंच कम बारिश हुई है। आंकड़ों के मुताबिक बारिश में करीब 23.7% की कमी रही।

● रबी और गर्मी के पानी पर असर की चिंता:

कम बारिश का असर सिर्फ मौजूदा जलस्तर पर नहीं, बल्कि आने वाले महीनों में भी पड़ सकता है। भूजल रिचार्ज कम होने से रबी फसलों की सिंचाई और अगली गर्मी में पेयजल व्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका है। तवा बांध में भी सामान्य से कम पानी रहने के कारण सिंचाई व्यवस्था को लेकर चिंता बनी हुई है।

फीट तक खोल दिए गए थे। 26 जुलाई को आवक बढ़ने पर 7 गेट 10-10 फीट तक खोले गए और करीब 55 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। इसके उलट इस साल पानी की आवक इतनी कम रही कि गेट खोलने की स्थिति ही नहीं बनी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विदिशा जिले

में पांच सामाजिक वानिकी नर्सरियों

से प्राप्त किए जा सकेंगे पौधे

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं पौधरोपण गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सामाजिक वानिकी के अंतर्गत संचालित नर्सरियों से पौधे प्राप्त किए जा सकेंगे। अभियान की अवधि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक निर्धारित है। इस अवधि में विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण सहित जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विदिशा जिले में पौधे प्राप्त करने के लिए सामाजिक वानिकी अंतर्गत पांच नर्सरियों की सूची जारी की गई है। नागरिक अपनी आवश्यकता के अनुसार संबंधित नर्सरी के प्रभारी से संपर्क कर पौधों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जिले में चिन्हित नर्सरियां की जानकारी तदानुसार हलाली नर्सरी ,प्रभारी - राजेश मोरे मोबाइल - 9977026906, स्थान - ग्राम सलूज, हलाली डैम के पास। बैस नर्सरी प्रभारी अमित विश्वकर्मा मोबाइल 7987620903 स्थान - बैस नगर, विदिशा। रंगई नर्सरी प्रभारी सत्यम खेर मोबाइल 9584261318 स्थान - रंगई मंदिर के पास, विदिशा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान शिविर आयोजित नागरिकों ने रक्तदान के माध्यम से मानव सेवा के संकल्प को मजबूत किया

रक्तदान जीवनदान है, एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंदों के जीवन में बन सकता है सहारा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर

(निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न सेवा एवं जनभागीदारी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला चिकित्सालय सीहोर तथा भैरूदा स्थित शासकीय अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में अनेक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान किया और मानव सेवा का संदेश दिया।

रक्तदान करने वाले गगन नामदेव, प्रीतेश राठौर तथा प्रबल सहित अनेक नागरिकों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर रक्तदान करना उनके लिए विशेष अनुभव है। उन्होंने कहा कि आज का दिन उनके लिए हमेशा यादगार रहेगा और यह अवसर उन्हें भविष्य में रक्तदान करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। रक्तदान के माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाने में योगदान देना समाज सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना, प्रसव, गंभीर बीमारी, ऑपरेशन अथवा अन्य चिकित्सकीय परिस्थितियों में मरीजों को तत्काल रक्त की आवश्यकता पड़ सकती है। ऐसे समय में रक्त की उपलब्धता किसी व्यक्ति के लिए जीवन



रक्षक साबित हो सकती है। नियमित स्वीच्छिक रक्तदान से अस्पतालों में जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। शिविर में रक्तदान करने वाले नागरिकों ने अन्य लोगों से भी रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी अनजान जरूरतमंद के जीवन में नई उम्मीद पैदा कर सकता है। रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को स्वीच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना सामूहिक जिम्मेदारी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इन रक्तदान शिविरों ने सेवा, संवेदना और जनभागीदारी का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर नागरिकों ने रक्तदान के माध्यम से मानव सेवा के संकल्प को

मजबूत किया। रक्तदान जीवनदान है, इस भावना के साथ नागरिकों ने जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का संकल्प व्यक्त किया। जिला चिकित्सालय सीहोर में आयोजित रक्तदान शिविर में सीहोर विधायक सुदेश राय, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य सीता राम यादव , नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया तथा रक्तदान के महत्व के संबंध में जानकारी दी।

शिविर में नागरिकों ने स्वेच्छ से रक्तदान कर सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्य को सार्थक किया। इस अवसर पर राजकुमार गुप्ता, सुदीप प्रजापति तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर डेहरिया, सिविल सर्जन डॉ यूके वास्तव उपस्थित रहे।

मक्का खरीदी में 76 लाख की गड़बड़ी करने वाला गिरफ्तार

17 किसानों के खातों में उलवाए थे पैसे, जांच में तेयरहाउस में मक्का नहीं मिला



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के देवरी में मक्का खरीदी के नाम पर पोर्टल पर फर्जी दस्तावेज अपलोड कर 17 किसानों के खातों में 76 लाख 31 हजार 750 रुपए का भुगतान कराने के मामले में फरार आरोपी अतिशय पिता अवधेश जैन, निवासी गांधी बाई, को पुलिस ने रहली से गिरफ्तार किया है। आरोपी को देवरी थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मामले में 343 मीट्रिक टन मक्का खरीदी के दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड किए गए थे, लेकिन एनसीसीएफ के भौतिक सत्यापन में शांडिल्य वेयरहाउस में मक्का का भंडारण नहीं मिला।

मक्का खरीदी के लिए कंपनी को बनाया था पोर्टल और खरीदी पोर्टनर: जानकारी के अनुसार, भारत सरकार ने 2025 में मध्यप्रदेश में मक्का से इथेनॉल उत्पादन के लिए समर्थन मूल्य पर

मक्का खरीदी की व्यवस्था की थी। इसके लिए एनसीसीएफ के दिल्ली मुख्यालय ने एकता कंपनी को पोर्टल और खरीदी पोर्टनर नियुक्त किया था। एकता कंपनी ने मक्का खरीदी के लिए फूड गार्ड फार्मर प्रोसेसिंग कंपनी लिमिटेड एपीओ का पंजीयन किया था। इस मामले में फूड गार्ड फार्मर प्रोसेसिंग कंपनी के डायरेक्टर मनीष पटेल ने अतिशय जैन को मक्का खरीदी के लिए नियुक्त किया था।

17 किसानों के खातों में डाली गई 76.31 लाख की राशि: एनसीसीएफ की ओर से 17 किसानों के खातों में कुल 76 लाख 31 हजार 750 रुपए का भुगतान किया गया था। इसके बाद एनसीसीएफ ने जब भौतिक सत्यापन कराया तो एग्रीमेंट के मुताबिक शांडिल्य वेयरहाउस मौके पर नहीं मिला। सत्यापन में वेयरहाउस में मक्का का भंडारण भी नहीं पाया गया। पुलिस के अनुसार, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बिना भौतिक सत्यापन के किसानों के खातों में राशि डाली गई। मामले में कंपनी और एफपीओ के डायरेक्टर मनीष पटेल तथा अतिशय जैन की मिलीभगत की जांच की जा रही है।

रिमांड पर लेकर आरोपी से पूछताछ: देवरी थाने के जांच अधिकारी उप निरीक्षक समरथ सीनम ने बताया कि पूरे प्रकरण में 343 मीट्रिक टन मक्का खरीदी से संबंधित दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड किए गए थे। भौतिक सत्यापन के दौरान एनसीसीएफ को वेयरहाउस में मक्का का भंडारण नहीं मिला, जबकि 17 किसानों के खातों में 76 लाख 31 हजार 750 रुपए का भुगतान किया जा चुका था।

वरिष्ठजनों और युवा पीढ़ी के बीच बढ़ेगा संवाद, सात जनपद एवं नगरीय

निकायों में होंगे ‘इंटर जनरेशनल बॉन्डिंग’ कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 में इंटर जनरेशनल बॉन्डिंग पर आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य वरिष्ठजनों, युवा एवं बाल पीढ़ी के बीच आपसी संवाद और अनुभवों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, पारिवारिक एवं सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करना तथा विभिन्न पीढ़ियों के बीच पारस्परिक सहयोग की भावना विकसित करना है। मध्यप्रदेश सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा अटल वयो अभ्युदय योजना को केंद्र शासन द्वारा संचालित योजनाओं में शामिल किया गया है। जिला स्तर से जारी निर्देशों के अनुसार जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी/मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में संबंधित विभागों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायत राज संस्थाओं, नगरीय निकायों, स्वयंसेवी संगठनों एवं अन्य संबंधित संस्थाओं के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रमों में वरिष्ठजन, विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, वृद्धाश्रमों में निवासरत वरिष्ठजन तथा गणमान्य नागरिक सहभागी होंगे। गतिविधियों के माध्यम से वरिष्ठजनों के जीवन अनुभव, ज्ञान एवं परंपरागत अनुभवों को युवा एवं बाल पीढ़ी तक पहुंचाने तथा नई पीढ़ी को वरिष्ठजनों के साथ संवाद एवं सहयोग के लिए प्रेरित करने पर जोर रहेगा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत वन क्षेत्रों और विद्यालय परिसरों में हुआ पौधारोपण

वन अमले, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश



वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रोपित पौधों की नियमित देखरेख, सिंचाई एवं सुरक्षा अभियान के तहत कुल 25 फलदार वन परिक्षेत्र के वन परिक्षेत्र अधिकारियों सहित वन अमले ने पौधे रोपित किए। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति सहभागिता का संदेश दिया गया।

बरखेड़ा गंभीर में लगाए गए 25 फलदार एवं उपयोगी पौधे: वृत्त पुरा द्वितीय, बीट लखुली अंतर्गत ग्राम बरखेड़ा गंभीर स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में सेवा संकल्प अभियान के तहत कुल 25 फलदार उपयोगी प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। परिसर में आंवला, नीम, अमरूद, आम एवं

►धमनोद स्कूल परिसर में विद्यार्थियों और नागरिकों ने किया पौधारोपण

विकासखण्ड एवं जिला विदिशा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमनोद में भी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों तथा स्थानीय नागरिकों ने पौधे रोपित किए। प्रतिभागियों ने विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

►पौधों की देखभाल पर दिया गया जोर

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इन कार्यक्रमों में केवल पौधारोपण तक सीमित न रहते हुए रोपित पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई एवं सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में निरंतर सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को प्रकृति के संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के लिए सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया गया। ‘एक पौधा आज, हरित भविष्य कल’ के संदेश के साथ आयोजित इन कार्यक्रमों ने सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता को भावना को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का कार्य किया।

बेलपत्र के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में विद्यालय ने सहभागिता करते हुए पौधों के संरक्षण और के शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं तथा ग्रामीणों पर्यावरण को बेहतर बनाने का संदेश दिया।

दूसरे टी20 में भी इंग्लैंड ने लंका को हराकर अपना दबदबा बरकरार रखा



लंदन ,एजेसी। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड का शानदार प्रदर्शन जारी है। उसने लंका को दूसरे टी20 मुकाबले में आसानी से हराकर तीन मैचों की सीरीज पर 2-0 से अपने नाम की है। 146 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने लगभग आठ ओवर शेष रहते ही जीत हासिल कर ली, जिससे

उनकी ताकत और दबदबे का अंदाजा लगाया जा सकता है। इंग्लैंड की इस लगातार बढ़ती सफलता के पीछे एक बड़ा कारण उनके खिलाड़ियों का साल भर टी20 क्रिकेट खेलना है, जिसका सीधा फायदा राष्ट्रीय टीम को मिलता है। मैदान पर उनका आत्मविश्वास और बेखौफ अंदाज उन्हें एक अलग स्तर पर ले

जाता है। लंका के खिलाफ यह इंग्लैंड की पिछली 21 भिड़ंतों में 19वीं जीत थी, जो उनके एकतरफा दबदबे को स्पष्ट करती है। इस दौरान लंका सिर्फ दो मुकाबले जीत पाया है। अगर पिछले साल गर्मियों से अब तक के उनके रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो तस्वीर और भी अधिक प्रभावशाली नजर आती है। इंग्लैंड ने

इस अवधि में खेले गए 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में से 22 में जीत दर्ज की है, जिसका मतलब है कि उनकी जीत का प्रतिशत 88 प्रतिशत रहा है। यह आंकड़ा उन्हें पूर्णकालिक सदस्य देशों में शीर्ष पर रखता है। वहीं टी20 विश्वकप विजेता भारतीय टीम का जीत प्रतिशत 73 है। जो दिखाता है कि वर्तमान में टी20 फॉर्मेट में इंग्लैंड को हरना कितना मुश्किल है। इस दूसरे मैच में इंग्लैंड के लिए युवा बल्लेबाज टॉम बैटन ने धमकेदार प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 24 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाए। उनके अलावा, जोस बटलर ने 16 गेंदों पर 30 रन बनाकर पारी को तेज शुरूआत दी। कप्तान हेरी ब्रूक ने आठ गेंदों में तेजी से 23 रन बनाकर टीम को आसानी से जीत दिलाई। यह कांडिफ के मैदान पर इंग्लैंड की 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 10वीं जीत थी। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए लंका की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप रही, जिसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके लिए सर्वोच्च स्कोरर पशुम निसका ने बनाया, जिन्होंने 21 गेंदों पर 37 रन जोड़े। कप्तान चरित्त असलंका ने भी 31 गेंदों पर 31 रन बनाए, लेकिन ये रन टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के लिए नाकामी साबित हुए। निर्धारित 20 ओवरों में लंका नौ विकेट खोकर केवल 145 रन ही बना सकी।

श्रेयस अय्यर की नजरें अब एशियाई खेलों में जीत दर्ज करने पर लगी



नई दिल्ली,एजेसी। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद कहा है कि अब उनका लक्ष्य एशियाई खेलों में टीम को स्वर्ण पदक दिलाना है। श्रेयस पिछले कुछ समय में एक बेहतर कप्तान के तौर पर उभरे हैं।

अय्यर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने लगातार छह मैचों में जीत दर्ज करके विरोधी टीमों के सामने एक बड़ी चुनौती पेश की है। इस शानदार सफर की शुरुआत जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई सीरीज से हुई। जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम ने घरेलू टीम को किसी भी मुकाबले में अवसर नहीं दिया। अय्यर की समझदारी भरी रणनीति और गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करने की कला के दम पर भारत ने वह सीरीज 3-0 से अपने नाम की। इस क्लोन स्वीप ने न केवल टीम के हौसले

बुलंद किए, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन को कैसे जीत में तब्दील किया जाता है। जिम्बाब्वे के बाद भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को आसानी से हरा दिया। श्रेयस की कप्तानी के आगे अफगान टीम की हर रणनीति असफल रही। अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई इस सीरीज में भी भारतीय टीम ने अपना दबदबा पूरी तरह कायम रखा और एक बार फिर 3-0 से सीरीज जीती। लगातार दो सीरीज में लगातार 3-3 मैच जीतकर अय्यर ने अपनी कप्तानी में लगातार 6 जीत का एक ऐसा मजबूत रिकॉर्ड खड़ा कर दिया, जो उनके नेतृत्व क्षमता पर मुहर लगाता है यह 6 मैच की अजेय बढ़त केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह श्रेयस के मैदान पर रहने वाले रवैये को दिखाता है।

नमन को टीम इंडिया में जगह मिलने के बाद से ही फरीदकोट में जश्न का माहौल

फरीदकोट ,एजेसी। पंजाब के छोटे से शहर फरीदकोट के 26 वर्षीय नमन धीर को पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिलने के बाद से ही यहां जश्न का माहौल है। नमन को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। नमन धीर एक आक्रामक दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जो अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। लंबे समय से इंडिया ए के लिए प्रभावी प्रदर्शन कर रहे इस क्रिकेटर ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेला है। खासकर 2024 सीजन के बाद से वे लगातार टीम का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में संपन्न हुए शेर-ए-पंजाब टी-20 टूर्नामेंट में नमन ने अपनी

बल्लेबाजी से भी चयनकर्ताओं की प्रभावित किया था। जिसका लाभ उन्हें मिला है। नमन ने अमृतसर सुरमाज की ओर से खेलते हुए मोहाली किंग्स के खिलाफ सिर्फ 64 गेंदों में 173 रनों की एक अविश्वसनीय पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने महज 37 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इस पारी में 270.31 की स्ट्राइक रेट से 16 चौके और 12 छक्के शामिल थे। इस टूर्नामेंट में उन्हें मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी मिला था, जिसके कुछ ही दिनों बाद उन्हें भारतीय टीम में शामिल होने का यह बड़ा तोहफा मिला है। नमन धीर पंजाब के एक प्रतिभाशाली बैटिंग ऑलराउंडर हैं, जिन्होंने 2023-24 में पंजाब को बीसीसीआई की प्रतिष्ठित घरेलू टी-20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी शानदार फॉर्म और प्रदर्शन ने शेर-ए-पंजाब टी-20 टीम में मुंबई इंडियंस के स्काउट्स का ध्यान खींचा। नतीजतन, आईपीएल 2024 की नीलामी में मुंबई इंडियंस ने उन्हें 20 लाख रुपये के बेस प्राइस पर अपनी टीम में शामिल कर लिया। आईपीएल में आने से पहले भी उन्होंने शेर-ए-पंजाब के लिए उस सीजन में 193 की खतरनाक स्ट्राइक रेट से 466 रन बनाए थे। इसी प्रदर्शन के कारण, जब सूर्यकुमार यादव घोटाला हुए, तो मुंबई ने उन्हें डेब्यू का मौका दिया और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करवाई। अपने डेब्यू सीजन, आईपीएल 2024 में, नमन धीर ने कुल सात मैच खेले, जिसमें लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ उनके आखिरी मैच में सिर्फ 28 गेंदों पर बनाए गए नाबाद 62 रनों की विस्फोटक पारी सबसे यादगार रही। आईपीएल 2024 में कुछ साधारण प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस ने नमन धीर को रीलीज करने का फैसला किया, लेकिन अगले सीजन की नीलामी में उनका मूल्य आसमान छू गया। आईपीएल 2025 की नीलामी में मुंबई इंडियंस ने राइट टू मैच (आरटीएल) विकल्प का इस्तेमाल करते हुए उन्हें पांच करोड़ 25 लाख रुपये की मोटी रकम के साथ दोबारा अपनी टीम में शामिल किया। 20 लाख के बेस प्राइस से सीधे सवा पांच करोड़ रुपये तक का यह सफर किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक असाधारण उपलब्धि है।

श्रेयस ने ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचाने अफगान कप्तान जादरान को भी बुलाया

सोशल मीडिया पर छाया खेल भावना वाला ये वीडियो

नई दिल्ली ,एजेसी। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीतने के बाद खेल भावना का परिचय देते हुए अफगान टीम के कप्तान इब्राहिम जादरान को भी ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए बुलाया। अय्यर ने इस प्रकार दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और लोग इसकी जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।

तीसरे टी20 मुकाबले में 127 रनों की बड़ी जीत के बाद, जब भारतीय टीम ने ट्रॉफी उठाई सभी खिलाड़ी तस्वीर खिंचाने पहुंचे अय्यर ने अफगान टीम के कप्तान जादरान को भी ट्रॉफी के साथ तस्वीर

खिंचवाने के लिए बुलाया। तस्वीर में जादरान, अय्यर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच खड़े होकर मुस्कराते हुए नजर आ रहे हैं, जो खेल भावना की एक अनूठी मिसाल है। यह पहली बार नहीं था; ट्रॉफी प्रदान करते समय भी अय्यर ने जादरान को अपने साथ शामिल किया था, जिससे दोनों टीमों के बीच सम्मान और सौहार्द का संदेश गया।

मेजबान अफगानिस्तान के लिए यह सीरीज निराशाजनक रही, जिसने अरुण जेटली स्टेडियम में अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों को निराश किया। इब्राहिम जादरान के नेतृत्व में टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संघर्ष करती दिखी और तीनों टी20 मुकाबले बुरी तरह हार गई।



प्रतिस्पर्धा आयोग से मिली मंजूरी



मुम्बई ,एजेसी। आर्सेलरमि्तल समूह के प्रमुख लक्ष्मी निवास मि्तल और सीएम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के प्रमोटर अदार पूनावाला अब तीन क्रिकेट टीमों खरीदने जा रहे हैं। इस बारे में इन्हें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से भी मंजूरी मिल गयी है। इसके तहत ही मि्तल की वेस्ट्यू क्रिकेट लिमिटेड और पूनावाला की पोर्ट्स एंड फिटनेस प्राइवेट लिमिटेड मिलकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स सहित तीन प्रमुख क्रिकेट टीमों का अधिग्रहण करेगा। यह पूरा सीमा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,700 करोड़ रुपये) का बताया जा रहा है, जिसमें वैश्विक

क्रिकेट परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकता है। इस सौदे में मि्तल और उनके बेटे आदित्य मि्तल के साथ सीएम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला शामिल हैं। वेस्ट्यू क्रिकेट एक यूके-पंजीकृत कंपनी है जिसका स्वामित्व मि्तल परिवार के पास है, जबकि पूनावाला स्पोर्ट्स एंड फिटनेस अदार पूनावाला की कंपनी है। लक्ष्मी मि्तल दुनिया के शीर्ष उद्योगपतियों में शुमार हैं और उनके बेटे आदित्य मि्तल आर्सेलरमि्तल के सीईओ हैं, जो विश्व की सबसे बड़ी इस्पात कंपनियों में से एक है। वहीं, अदार पूनावाला, सीएम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के प्रमुख के रूप में वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा

क्षेत्र के दिग्गज हैं। यह सौदा केवल आईपीएल की राजस्थान रॉयल्स तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें दक्षिण अफ्रीका की पार्ल रॉयल्स और केन्याबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) की बारबाडोस रॉयल्स भी शामिल हैं। कुल 1.65 अरब डॉलर का यह विशाल सौदा वैश्विक क्रिकेट लीगों में भारतीय उद्योगपतियों के बढ़ते निवेश को दिखाता है, जो क्रिकेट के व्यावसायिक पहलुओं में उनकी गहरी रुचि को उजागर करता है। वर्तमान में इन तीनों टीमों की होल्डिंग कंपनी ईएम स्पोर्टिंग होल्डिंग्स लिमिटेड है, जो मॉरीशस में पंजीकृत एक निजी फर्म है। इसके तहत रॉयल मल्टीस्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान रॉयल्स का संचालन करती है।

एकदिवसीय में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले पांच शीर्ष कप्तानों में भारत के धोनी और रोहित भी शामिल

मुम्बई ,एजेसी। एकदिवसीय क्रिकेट में तेजी से रन बनाने और छक्के लगाने वाले शीर्ष पांच कप्तानों में भारतीय टीम के रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल हैं। इस सूची में शीर्ष पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयान मॉर्गन शीर्ष पर हैं। ये ऐसे कप्तान रहे हैं जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से मैच का रुख बदला है। मॉर्गन ने बतौर कप्तान सबसे अधिक छक्के लगाये हैं। उनके रिकॉर्ड की खासियत यह भी है कि वे दो देशों (आयरलैंड और इंग्लैंड) की ओर से एकदिवसीय खेल चुके हैं, जिसने उनके कीर्तिमान को और विशिष्ट बना दिया है।इंग्लैंड के इस आक्रामक बल्लेबाज ने 2011 से 2022 के बीच 126 वनडे मैचों में कप्तानी करते हुए 115 पारियों में कुल 147 छक्के लगाए। मॉर्गन के इसी आक्रामक रुख से इंग्लैंड के सफेद गेंद क्रिकेट में क्रांति आई। उन्होंने 44.03 की बेहतरीन औसत और 96.00 की स्ट्राइक रेट से 4,403 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं। उनका 148 रनों का सर्वोच्च स्कोर आक्रामक बल्लेबाजी को दिखाता है। विध्वंसक क्षमता का प्रमाण है। वहीं भारतीय क्रिकेट के दो पूर्व कप्तानों धोनी और रोहित इस सूची



में संयुक्त रूप से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। धोनी ने 2007 से 2018 के बीच 200 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की और 172 पारियों में 126 छक्के जड़े। कैप्टन कुल धोनी सिर्फ छक्के ही नहीं मारते थे, बल्कि वे मैच को फिनिश करने में भी माहिर थे। 48 बार नाबाद लौटते हुए उन्होंने 53.55 की बेमिसाल औसत से 6,641 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 47 अर्धशतक शामिल हैं। उनके हेलीकॉप्टर शॉट्स आज भी क्रिकेट प्रेमियों के दिमाग में ताजा हैं।

दूसरी ओर हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित ने धोनी के बराबर 126 छक्के लगाये, लेकिन यह कारनामा उन्होंने कहीं कम मैचों में किया। 2017 से अब तक मात्र 56 मैचों की 55 पारियों में कप्तानी करते हुए रोहित ने यह उपलब्धि हासिल की।

रोहित का विस्फोटक अंदाज उनकी पहचान है, जिन्होंने 111.97 की स्ट्राइक रेट और 52.20 की औसत से 2,506 रन बनाए, जिसमें एक दोहरा शतक (208 रन) और 5 शतक शामिल हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में चौकों (251) से ज्यादा छक्कों पर भरोसा दिखाया। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को अपनी कप्तानी में दो विश्व कप जिताने वाले रिकी पॉटिंग इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। 2002 से 2012 तक 230 मैचों में नेतृत्व करते हुए पॉटिंग ने 220 पारियों में 123 छक्के लगाए। बतौर कप्तान सर्वाधिक 8,497 रन (42.91 की औसत से) बनाने वाले पॉटिंग ने 22 शतक और 794 चौके भी जमाए। उनका 164 रनों का सर्वोच्च स्कोर उनकी दबंग बल्लेबाजी का गवाह है।

आईपीएल 2027: नीलामी से पहले ट्रेड डील में कई खिलाड़ी हो सकते हैं इधर से उधर

मुम्बई ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2027 नीलामी की आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन कहा है कि इस बार मिनी ऑक्शन का आयोजन भारत में ही हो होगा। वहीं नीलामी से एक सप्ताह पहले एक ट्रेड विंडो खुली रहेगी, जिससे टीमों के लिए खिलाड़ियों को ट्रेड करना आसान रहेगा। ऐमें में कई खिलाड़ी इधर से उधर हो सकते हैं। अब तक, आईपीएल 2027 के लिए केवल एक बड़ी ट्रेड डील सामने आई है। ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स का साथ छोड़कर दिल्ली कैपिटल्स में वापस लौट गए हैं, जहाँ उन्हें 15 करोड़ रुपये मिलेंगे। दिलचस्प बात यह है कि लखनऊ में उन्हें 27 करोड़ रुपये मिल रहे थे। इस बीच, कुलदीप यादव भी दिल्ली छोड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हो गए हैं। यह सिर्फ शुरुआत है, और आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले कई और हैरान वाली ट्रेड डील्स देखने को मिल सकती हैं, जो टीमों की रणनीतियों को पूरी तरह बदल सकती हैं। संभावित ट्रेड डील्स की सूची में सबसे ऊपर हार्दिक पांड्या का नाम है। मुंबई इंडियंस के इस धाकड़ ऑलराउंडर के टीम छोड़ने की खबरें लगातार आती रही हैं। उनका नाम चेन्नई



सुपर किंग्स (सीएसके), कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स जैसी कई बड़ी टीमों से जोड़ा गया है। वर्तमान हालातों को देखें तो कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक की सबसे ज्यादा जरूरत प्रतीत होती है। हार्दिक के आने से केकेआर की कप्तानी की चिंता दूर हो जाएगी और एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में टीम को मजबूती मिलेगी। इसके बदले में कोलकाता, मुंबई इंडियंस को कैमरून ग्रीन भेज सकती है, जो एक तरह से लाइक-टू-लाइक ट्रेड होगा और दोनों टीमों की जरूरतों को पूरा कर सकता है।

इसी सूची में एक और संभावित मुंबई-कोलकाता डील शामिल है, जिसमें सूर्यकुमार यादव का नाम भी सामने आया है। केकेआर को एक कप्तान की सख्त जरूरत है, और ऐसे में सूर्यकुमार एक मजबूत विकल्प हो सकते हैं। इन अटकलों को पूर्व क्रिकेटर राबिन उथप्पा ने हवा दी थी, जिन्होंने सूर्या के मुंबई से कोलकाता जाने की संभावना पर चर्चा की थी। यह भी उल्लेखनीय है कि सूर्यकुमार यादव 2014 से 2017 तक चार सीजन के लिए पहले भी केकेआर के लिए खेल चुके हैं। हालांकि, इस संभावित ट्रेड डील को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सतना में तीन मंजिला मकान की ऊपरी मंजिल में भीषण आग, 5 लोग फंसे सभी सुरक्षित रेस्क्यू

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश के सतना शहर के कामता टोला में शुक्रवार दोपहर पन्नी कारोबारी विपिन गुप्ता के तीन मंजिला मकान की ऊपरी मंजिल में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुआं तेजी से फैलने से मकान में पांच लोग फंसे गए। इनमें दो बच्चे, एक घरेलू कामगार और दो महिलाएं शामिल थीं। पुलिस, फायर टीम और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एहतियात के तौर पर आसपास के मकानों को भी खाली कराया गया।

छत पर फंसे बच्चों को स्थानीय लोगों ने निकाला: आग लगने के बाद परिवार के कुछ सदस्य समय रहते मकान से बाहर निकल आए, लेकिन दो बच्चे छत पर फंसे गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परा दिखाते हुए दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं दूसरी मंजिल पर अनिल



कुशवाहा और दो महिलाएं फंसे गई थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस और सुरक्षा टीम ने सीढ़ी की मदद से तीनों को बाहर निकाला। रेस्क्यू किए गए लोगों को एहतियात के तौर पर जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

दमकल वाहन का हाइड्रोलिक सिस्टम हुआ खराब: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और नगर निगम की टीम

तीन दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंची। फायर कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने के लिए ऊपरी मंजिल तक पहुंचने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान एक फायर वाहन का हाइड्रोलिक सिस्टम खराब हो गया। हाइड्रोलिक सिस्टम नहीं खुल पाने के कारण दमकल कर्मियों को ऊपरी मंजिल तक पहुंचने में परेशानी हुई इसके बावजूद टीम ने आग बुझाने का

प्रयास जारी रखा।
मकान की दीवारों में आई दरारें: आग की तेज गर्मी और लपटों के कारण मकान की दीवारों में कई जगह दरारें आ गईं मौके पर एसडीएम सिटी रहलु सिलाडिया, तहसीलदार सौरभ मिश्रा, सिटी कोतवाली पुलिस और नगर निगम की टीम मौजूद रही। एसडीएम ने मौके से अनाउंसमेंट कर लोगों से घटनास्थल से दूर रहने और सुरक्षित



स्थान पर जाने की अपील की।

एसी में शॉर्ट सर्किट की आशंका: प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग दोपहर करीब 1.15 बजे एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण लगने की आशंका जताई जा रही है हालांकि आग लगने का वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा मकान में तंबाकू से संबंधित काम होने की जानकारी भी सामने आई है नगर निगम की

फायर सेफ्टी टीम आग लगने के कारण के साथ इस पहलू की भी जांच करेगी एसडीएम सिटी रहलु सिलाडिया के अनुसार हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है रेस्क्यू किए गए पूजा सोंधिया कमल सोंधिया और पवन कुशवाहा को एहतियात के तौर पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उद्यान विभाग में PDMC योजना की धीमी रफ्तार, 9 महीने से किसानों के सत्यापन लंबित अधिकारियों को नोटिस

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। उद्यान विभाग की PDMC योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही का मामला सामने आया है किसानों के प्रकरणों के भौतिक सत्यापन में देरी होने पर उप संचालक उद्यान सतना ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं नोटिस वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी सोहावल, उचेहरा, रामपुर बघेलान और रामनगर को जारी किए गए हैं जानकारी के अनुसार योजना के तहत किसानों के प्रकरणों का भौतिक सत्यापन निर्धारित समय-सीमा में किया जाना था। विभागीय निर्देशों के अनुसार सत्यापन की प्रक्रिया अधिकतम तीन माह में पूरी की जानी थी, लेकिन संबंधित क्षेत्रों में कई प्रकरणों का सत्यापन 9 से 10 माह बीतने के बाद भी लंबित बताया जा रहा है। इससे योजना के क्रियान्वयन और किसानों को मिलने वाले लाभ पर असर पड़ने की बात सामने आई है उप संचालक उद्यान ने नोटिस जारी करते हुए संबंधित अधिकारियों से लंबित प्रकरणों के सत्यापन में



हुई देरी को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। विभाग ने समय-सीमा में कार्य पूरा नहीं होने को गंभीरता से लिया है नोटिस प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग की ओर से चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय-सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया तो संबंधित अधिकारियों की वेतनवृद्धि रोकने जैसी कार्रवाई की जा सकती है विभागीय कार्रवाई के बाद अब संबंधित अधिकारियों से लंबित प्रकरणों का जल्द सत्यापन पूरा कराने की अपेक्षा की जा रही है। किसानों के प्रकरणों के प्रकरणों का समय पर निराकरण होने से योजना के लाभार्थियों को प्रक्रिया का लाभ मिल सकेगा।

नगर पालिका अध्यक्ष के निवास पर गूंजे गणपति भक्ति के स्वर, महिला मंडली ने किया भजन-कीर्तन

मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। गणेश उत्सव के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी के निज निवास पर महिला मंडली द्वारा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया कार्यक्रम में महिलाओं ने भगवान गणेश के भजनों की प्रस्तुति दी जिससे पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। महिला मंडली ने पारंपरिक भजनों और कीर्तन के माध्यम से गणपति की आराधना की इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पूजा में सहभागिता की नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी एवं सांसद प्रतिनिधि संदीप सोनी सहित जयंती, महेश तिवारी



और परिवार के अन्य सदस्य कार्यक्रम में मौजूद रहे सभी ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की गणेश उत्सव के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साह के साथ सहभागिता की भजन-कीर्तन के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश का स्मरण करते हुए धार्मिक

वातावरण में समय बिताया आयोजकों के अनुसार गणेश उत्सव धार्मिक आस्था और सामाजिक एकजुटता का पर्व है ऐसे आयोजनों के माध्यम से परिवार और समाज के लोग एक साथ पूजा-अर्चना कर पर्व की खुशियां साझा करते हैं कार्यक्रम का समापन भगवान गणेश की आरती और प्रसाद वितरण के साथ किया गया।

रामपुर विधानसभा में संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस की बैठक, सैकड़ों ने ली सदस्यता

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। जिला कांग्रेस कमेटी सतना के निदेशन में संगठन सृजन अभियान के तहत रामपुर विधानसभा क्षेत्र के बेला ब्लॉक में कांग्रेस की बैठक आयोजित की गई ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेला के मंडलम मोहरीकृत्य अंतर्गत ग्राम पंचायत पाल के ग्राम कोटय में आयोजित बैठक का उद्देश्य मंडलम एवं पंचायत समितियों को सक्रिय कर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना रहा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा रहे रामशंकर प्यासी सम्मानित अतिथि तथा विक्रान्त विपाठी और यमा पांडेय विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेला



के अध्यक्ष शिवशंकर गौटिया ने की कार्यक्रम के आयोजक मुनि सिंह तिवारी रहे, जबकि मंच संचालन नीलेश सिंह तिवारी ने किया कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा महापुरुषों के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई इसके बाद संगठन की मजबूती सदस्यता अभियान तथा मंडलम एवं पंचायत समितियों की सक्रियता को लेकर

चर्चा हुई इस दौरान भोले प्रजा, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, बच्चीलाल कोल, पुष्पेन्द्र कोल, संतोष कोल, भीमसेन कोल, भोले कोल, विश्वकुमार बुनकर, समयलाल प्रजापति, प्रभाकर सिंह तिवारी, विशाल सिंह तिवारी, रामपाल कुशवाहा, धनेष परीह, रामशरण कोल और दयाराम कोल सहित सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर मैहर में गुंजा सेवा का संदेश, युवाओं ने निकाली रैली



मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मैहर में उत्साहपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया माई की रसोई के संचालक पंडित धीरज पांडेय के पुत्र सौरज पांडेय के नेतृत्व में युवाओं ने केक काटकर प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया



इस दौरान बड़ी संख्या में युवा और कार्यकर्ता मौजूद रहे जन्मोत्सव कार्यक्रम के बाद माई की रसोई से मैहर अस्पताल तक भव्य युवा रैली निकाली गई। रैली में शामिल युवाओं ने सेवा संकल्प अभियान में सहभागिता करते हुए सेवा और जनकल्याण का संदेश दिया। रैली के दौरान युवाओं में

खासा उत्साह देखने को मिला कार्यक्रम में भाजपा मैहर जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, अमित राय, कुलदीप तिवारी, सूर्य प्रकाश चौरसिया, विश्वनाथ चौरसिया 'गुड्डू भैया' सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। रैली में सैकड़ों की संख्या में युवाओं ने सहभागिता की

आयोजकों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा और जनहित से जुड़े कार्यों के माध्यम से मनाने का उद्देश्य युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित गतिविधियों के माध्यम से समाज में जनसेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है कार्यक्रम के दौरान युवाओं और कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ सहभागिता की माई की रसोई से अस्पताल तक निकली रैली ने मैहर में सेवा और जनकल्याण से जुड़े संदेश को प्रमुखता से सामने रखा।

सोनाडी में कथित अवैध उत्खनन का आरोप गोविंदपुर सरपंच का नाम चर्चा में

मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। रामनगर विकासखंड क्षेत्र के सोनाडी में कथित अवैध उत्खनन का मामला सामने आया है स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि क्षेत्र में हो रहा उत्खनन गोविंदपुर ग्राम पंचायत के सरपंच रामशंकर चतुर्वेदी से जुड़ है हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है स्थानीय लोगों का कहना है कि सोनाडी क्षेत्र में खनिज संपदा के उत्खनन की गतिविधियां खुले तौर पर चलने की चर्चा है ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि यदि उत्खनन बिना अनुमति हो रहा है तो संबंधित विभागों की ओर से अब तक निरीक्षण और कार्रवाई क्यों नहीं की गई। वहीं यह भी स्पष्ट होना जरूरी है कि उत्खनन के लिए किसी प्रकार की वैध अनुमति जारी



की गई है या नहीं मामले में स्थानीय लोगों ने प्रशासन और खनिज विभाग से सोनाडी क्षेत्र का मौके पर निरीक्षण कर वस्तुस्थिति स्पष्ट करने की मांग की है यदि जांच में बिना अनुमति उत्खनन की पुष्टि होती है तो नियमानुसार संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है ग्रामीणों के बीच इस मामले को लेकर

तह-तह की चर्चाएँ हैं लेकिन वास्तविक स्थिति प्रशासनिक जांच के बाद ही स्पष्ट होगी अब देखा होगा कि संबंधित विभाग मौके का निरीक्षण कर उत्खनन की अनुमति खनिज की प्रकृति और गतिविधियों की वैधानिकता की जांच कब तक करते हैं आरोपों की पुष्टि अथवा खंडन भी जांच के बाद ही संभव होगा।

अनुभव और मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया अल्प प्रवास के दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के स्वागत के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अन्य लोग भी मौजूद रहे कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

बीमार युवक को झोली में बांधकर डेढ़ किमी पैदल ले गए ग्रामीण, थरपहाड़ में सड़क सुविधा का अभाव



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के चित्रकूट नगर परिषद क्षेत्र के थरपहाड़ गांव में सड़क जैसी बुनियादी सुविधा के अभाव का मामला सामने आया है शुक्रवार

को 28 वर्षीय गोरे सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन और ग्रामीणों को उन्हें झोली और टाट में बांधकर कंधे पर टांगते हुए करीब डेढ़ किलोमीटर पैदल मुख्य सड़क

तक ले जाना पड़ा इसके बाद एंबुलेंस की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

उल्टी-दस्त से बिगड़ी तबीयत: जानकारी के अनुसार गोरे सिंह को लगातार उल्टी-दस्त हो रहे थे, जिससे वह काफी कमजोर हो गए थे। गांव तक पक्की सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस या अन्य वाहन सीधे घर तक नहीं पहुंच सका। ऐसे में ग्रामीणों ने गोरे सिंह को झोली और टाट में बांधा और कंधे पर उठाकर मुख्य सड़क तक पहुंचाया मुख्य सड़क पर पहुंचने के बाद उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया वहां प्राथमिक उपचार और दवा देने के बाद उन्हें वापस घर भेज

दिया गया ग्रामीणों के मुताबिक, घर लौटते समय भी गोरे सिंह को कंधे पर उठाकर करीब डेढ़ किलोमीटर का रास्ता तय करना पड़ा।

मरीजों और गर्भवती महिलाओं को भी उठाकर ले जाते हैं: ग्रामीणों का कहना है कि थरपहाड़ में इस तरह की स्थिति नई नहीं है गांव में जब भी किसी मरीज, बुजुर्ग या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़ती है तो परिजनों और ग्रामीणों को उन्हें कंधे पर उठाकर मुख्य सड़क तक पहुंचाना पड़ता है बारिश के मौसम में कच्चे और खराब रास्ते की स्थिति और ज्यादा खराब हो जाती है जिससे परेशानी बढ़ जाती है।

टेंडर की बात, लेकिन

आशीर्वाद का दीया' से जगमगाया जैतवारा, जन-जन ने दिया आशीर्वाद

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान-2026' के अंतर्गत जैतवारा में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद जैतवारा के सभी नगर पालिका अधिकारी पंजाब सिंह और नगर परिषद अध्यक्ष रेनू देवी सहित जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की इस अवसर पर नगर के विभिन्न वार्डों में जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अमले और आम नागरिकों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम में



भाग लिया। रेलवे स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर में भी दीप जलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं व्यक्त की गई आयोजकों के अनुसार आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा और जनभागीदारी से जोड़ना है। कार्यक्रम में नगरवासियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

दीप प्रज्वलन के दौरान बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे और आयोजन में अपनी भागीदारी दर्ज कराई नगर के सभी वार्डों में दीप जलाए जाने से जैतवारा रोशनी से जगमगा उठा कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आमजन ने सामूहिक रूप से सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया।